● वर्ष-4
● अंक-02
रायपुर, शनिवार
10 अगस्त 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› खेती की एंटीबायोटिक फसलें..

## केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी

# आठ नई रेल परियोजनाओं का होगा निर्माण

## तीन करोड़ नए घर बनाए जाएंगे

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में आठ नई रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। साथ ही 3.6 लाख करोड़ से तीन करोड़ नए आवास बनाने का फैसला लिया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई रेल परियोजनाएं रेलवे और देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाएंगीं। साथ ही आवास निर्माण से बड़ी संख्या में परिवारों को छत मुहैया होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री आवास योजना से बड़ा सामाजिक परिवर्तन आया है। चार करोड़ घर बनाए गए हैं। अब तीन करोड़ नए घर बनाए जाएंगे। इसमें दो करोड़ घर ग्रामीण इलाकों और एक करोड़ घर शहरी इलाकों में बनेंगे। इसके लिए 3.6 लाख करोड़ रुपये बजट का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने आठ बड़ी रेलवे परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में तीन ओडिशा के दक्षिण और पश्चिम भाग के लिए हैं। इनसे आदिवासी बाहुल्य और तमाम विधानसभा क्षेत्रों का विकास होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को लोकसभा में 'रेल (संशोधन) विधेयक, 2024' पेश किया और कहा कि इसके माध्यम से रेलवे बोर्ड को पूर्ण अधिकार मिलेंगे। सदन में इस विधेयक को पेश किये जाने का विरोध करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने कहा कि रेल मंत्री को ऐसे गैरजरूरी विधेयक लाने के बजाय रेल दुर्घटनाएं रोकने पर ध्यान देना चाहिए। रेल मंत्री वैष्णव ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद पर चुटकी लेते हुए कहा, ''लगता है कि सदस्य के पास कोई काम नहीं है, इसलिए वह अनावश्यक आपत्ति लाते हैं। उनकी पार्टी को उन्हें और अधिक काम देना चाहिए।''

वैष्णव ने कहा कि भारत में जब रेलवे की शुरुआत हुई तो यह लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की एक शाखा के रूप में काम करती थी और रेलवे के विस्तार के साथ जब एक अलग व्यवस्था की जरूरत महसूस हुई तो 1905 में रेलवे बोर्ड बनाया गया। उन्होंने कहा कि 1989 में भारतीय रेलवे से संबंधित नया कानून आया, लेकिन एक कमी रह गई थी और रेलवे बोर्ड को वैधानिक अधिकार नहीं मिल पाए थे। रेल मंत्री ने कहा, 'इस कमी को इस विधेयक के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। इससे रेलवे बोर्ड को पूर्ण अधिकार मिलेंगे और उसकी क्षमता बढ़ेगी।'

# जब तक सुरक्षित नहीं, तब तक भारत में रहेंगी हसीना

**नई दिल्ली।** बांग्लादेश में फैसी अराजकता के बाद शेख हसीना पहले तो अपना इस्तीफा सौंपती हैं फिर मिलिट्री हेलीकॉप्टर में बैठकर ढाका छोड़ देती हैं। वो फिलहाल भारत में हैं। शेख हसीना को लेकर विदेश मंत्री ने ज्यादा कुछ नहीं कहा है। लेकिन ये जरूर साफ कर दिया है कि आगे की रणनीति तय करने के लिए भारत सरकार उन्हें समय देगी। शेख हसीना को लेकर पहले खबर आई थी कि वो लंदन जा सकती हैं। लेकिन शरणार्थियों पर ब्रिटेन सरकार की स्पष्ट नीति है जिसके मुताबिक शरण मांगने वाले व्यक्ति को इसकी असमर्थता दिखानी होगी कि वो अपने देश के माहौल में सुरक्षित नहीं है। ऐसे में उनके लंदन प्रवास पर पेंच फंस गया। भारत ने कहा है कि जब तक हसीना को किसी सुरक्षित देश में शरण नहीं मिल जाती, तब तक वे भारत में रह सकती हैं।

**शरणार्थी कौन है?**

शरणार्थियों की स्थिति पर 1951 के संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन और उसके बाद 1967 के प्रोटोकॉल के तहत, शरणार्थी शब्द किसी भी ऐसे व्यक्ति से संबंधित है जो अपने मूल देश से बाहर है और जाति, धर्म के कारण उत्पीड़न के उचित भय के कारण वापस लौटने में असमर्थ या अनिच्छुक है। राज्यविहीन व्यक्ति भी इस अर्थ में शरणार्थी हो सकते हैं, जहां मूल देश (नागरिकता) को %पूर्व अभ्यस्त निवास का देश% समझा जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि 2017 में राखीन राज्य में म्यांमार की सैन्य कार्रवाई के बाद रोहिंग्या के पलायन ने दुनिया का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट पैदा कर दिया था। बांग्लादेश का कॉक्स बाज़ार आज दुनिया का सबसे बड़ा शरणार्थी शिविर है। म्यांमार का कहना है कि रोहिंग्या, जो मुख्य रूप से मुस्लिम हैं, बांग्लादेश से आए अवैध अप्रवासी हैं। लगभग 40,000 रोहिंग्या जो भारत भाग गए, से निपटने की बात आती है, तो सरकार की प्रतिक्रिया अस्पष्ट रही है। सरकार ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त को सत्यापन करने और उनमें से कुछ को पहचान पत्र प्रदान करने की अनुमति दी थी। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उन्हें अवैध अप्रवासी बताया। आतंकवाद और सांप्रदायिक अपमान के बारे में सार्वजनिक और राजनीतिक बयानबाजी के साथ, मांग है कि उन्हें तुरंत निर्वासित किया जाए।

**शरणार्थियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय कानून**

भारत में शरणार्थियों का आना साल 1947 यानी देश के विभाजन के साथ ही शुरू हो गया। 2010 के आरंभ तक भारतीय भू-भाग में शरणार्थियों की संख्या लगभग साढ़े चार लाख तक पहुंच गई। भारत वर्ष 1951 के संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी अभिसमय या इसके वर्ष 1967 के प्रोटोकॉल का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। भारत में कोई शरणार्थी कानून मौजूद नहीं है इसलिए देश में शरणार्थियों के प्रति व्यवहार में कोई एकरूपता भी नहीं है। हालांकि शरणार्थी का प्रश्न मानवाधिकारों और मानवीय कानून के बड़े प्रश्न के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के अन्य क्षेत्रों जैसे राज्य के उत्तरदायित्व और शांति बनाए रखने के साथ अटूट रूप से जुड़ा हुआ है। भारत 1951 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन या 1967 प्रोटोकॉल का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। न ही भारत के पास कोई शरणार्थी नीति या शरणार्थी कानून है। इससे भारत को शरणार्थियों के सवाल पर अपने विकल्प खुले रखने की इजाजत मिल गई है। सरकार शरणार्थियों के किसी भी समूह को अवैध अप्रवासी घोषित कर सकती है - जैसा कि यूएनएचसीआर सत्यापन के बावजूद रोहिंग्या के साथ हुआ हैऔर उनके साथ विदेशी अधिनियम या भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के तहत अतिचारियों के रूप में निपटने का निर्णय ले सकती है। हाल के वर्षों में भारत शरणार्थी नीति के सबसे करीब नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 आया है, जो शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने में धर्म के आधार पर भेदभाव करता है।

**भारत में रोहिंग्या अवैध अप्रवासी**

2021 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के इस तर्क को स्वीकार कर लिया कि भारत में रोहिंग्या लोग अवैध अप्रवासी थे, जब उसने समुदाय के 300 सदस्यों की रिहाई का आदेश देने से इनकार कर दिया, जिनमें से अधिकांश जम्मू में एक हिरासत शिविर में थे, और अन्य दिल्ली में थे। इसमें कहा गया कि उन्हें विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत सभी प्रक्रियाओं के अनुसार निर्वासित किया जाना चाहिए। हालाँकि, यह एक जटिल प्रक्रिया है। यह 2021 में बांग्लादेश शरणार्थी शिविर में अपने माता-पिता से अलग हुई 14 वर्षीय रोहिंग्या लड़की को वापस भेजने के असम सरकार के असफल प्रयास से स्पष्ट है। लड़की को 2019 में असम में प्रवेश करते समय सिलचर में हिरासत में लिया गया था। म्यांमार में उसका कोई परिवार नहीं बचा था, लेकिन असम के अधिकारी उसे निर्वासित करने के लिए मणिपुर में मोरेह सीमा पर ले गए। म्यांमार ने उसे स्वीकार नहीं किया। पिछले कुछ वर्षों में रोहिंग्या को वापस लेने के लिए म्यांमार को मनाने के बांग्लादेश के सभी प्रयास असफल रहे हैं।

## हिंदुओं की सुरक्षा के लिये हर संभव कदम उठाए केंद्र सरकार : विश्व हिन्दू परिषद

**जयपुर।** विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) की राजस्थान इकाई के मंत्री सुरेश उपाध्याय ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को केंद्र सरकार से पड़ोसी मुल्क में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिये हर संभव कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिये प्रभावी कार्रवाई करें।उपाध्याय ने कहा कि निश्चित ही भारत इस परिस्थिति में आंखें मूंद कर नहीं रह सकता। भारत ने परंपरा से ही विश्व भर के उत्पीड़ित विस्थापितों की सहायता की है। उन्होंने सुरक्षा बलों से सीमा पर कड़ी चौकसी बरतने और किसी भी तरह के अतिक्रमण को न होने देने की आग्रह किया। उपाध्याय ने कहा, बांग्लादेश में पिछले दिनों से हिन्दू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। बांग्लादेश के हर जिले में इस तरह की घटनाओं की सूचनाएं मिली हैं। कट्टरपंथियों के निशाने से शमशान तक नहीं बचे है। उन्होंने कहा कि मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गयी है।

## भागवत ने जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। सेवादारों के अनुसार, आरएसएस प्रमुख ने मंदिर के अंदर करीब आधा घंटा बिताया और पुजारियों से बातचीत की। सिंह द्वार पर मंदिर प्रशासन के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। भागवत ने बाद में गोवर्धन पीठ में पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, उनकी चर्चा के विषयों के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

**प्रमुख समाचार**

### धर्मांतरण विरोधी कानून तहत अब तक 1682 अरेस्ट

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में अवैध धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून लागू होने से कानूनी कार्रवाई में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हालांकि, मामले अभी भी सामने आ रहे है। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2020 में लागू किया गया था और यह कानून वर्ष 2021 में लागू हुआ। 2020 से अब तक राज्य में अवैध धर्म परिवर्तन के 835 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 31 जुलाई, 2024 तक 1,682 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई है। सबसे महत्वपूर्ण कार्रवाई गाजियाबाद कमिश्नरेट, अंबेडकरनगर, भदोही, सहारनपुर और शाहजहांपुर में की गई है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी इन मामलों की गहन जांच और प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए जांच पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। कुमार के अनुसार, राज्य में अवैध धर्मांतरण पर चल रही कार्रवाई के तहत 17 मामलों में जांच अभी भी जारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस अधिकारियों को ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके।

### स्कूल शिक्षा निदेशालय का निर्देश, अब 'जय हिंद' कहेंगे बच्चे

**नई दिल्ली।** हरियाणा सरकार के एक सर्कुलर के अनुसार इस स्वतंत्रता दिवस से हरियाणा के सभी स्कूलों में गुड मॉर्निंग शब्द की जगह जय हिंद शब्द लिखा जाएगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने गुरुवार (8 अगस्त) को जारी सर्कुलर में कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कदम का उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना पैदा करना है। सर्कुलर में कहा गया है कि जय हिंद शब्द सुभाष चंद्र बोस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गढ़ा था और स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र बलों द्वारा इसे सलामी के रूप में अपनाया गया था। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों, जिला खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को परिपत्र भेजा है। परिपत्र के अनुसार, स्कूलों में गुड मॉर्निंग की जगह जय हिंद लिखा जाएगा, ताकि छात्रों को राष्ट्रीय एकता की भावना और देश के समृद्ध इतिहास के प्रति सम्मान से प्रतिदिन प्रेरित किया जा सके।

### प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना गलती थी, मैं माफी मांगता हूं

**नासिक ।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि पिछले साल के अंत में प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का केंद्र का कदम एक गलती थी और इस फैसले से राज्य में लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को भारी नुकसान उठाना पड़ा। महाराष्ट्र प्याज का प्रमुख उत्पादक है। विधानसभा चुनाव से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के प्रयास में पवार ने अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान घोषणा की कि महिलाओं के लिए सरकार की प्रमुख योजना (मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना) के तहत पहली किस्त 17 अगस्त को जारी की जाएगी। केंद्र सरकार ने आठ दिसंबर, 2023 को प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए 31 मार्च, 2024 तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसका राज्य के किसानों ने विरोध किया था। मार्च में निर्यात प्रतिबंध को अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया था, लेकिन मई की शुरुआत में महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक क्षेत्र में मतदान से कुछ दिन पहले इसे हटा लिया गया था। पवार ने कहा, ''मैं मानता हूं कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध एक गलती थी और इसके लिए मैं माफी मांगता हूं।

### मुख्यमंत्री ने छात्रों के लिए मासिक सहायता योजना शुरू की

**कोयंबटूर।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को सरकारी और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों के लड़कों को उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद के लिए 1,000 रुपये प्रति माह सहायता की 'तामीज पुधलवन' (तमिल बेटा) योजना शुरू की। गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज में यहां सरकारी कला महाविद्यालय में योजना की शुरुआत करते हुए स्टालिन ने कहा कि 'द्रविड़ मॉडल' सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने इसके अनुरूप कई कल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा पेश की। महिलाओं के लिए बसों में किराया-मुक्त यात्रा (विदियाल पयानम) योजना, जो महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद करती है, का उपयोग उनके (महिलाओं के) द्वारा 518 करोड़ बार किया गया है। कलैगनर मगलिर उरीमाई थिट्टम (महिलाओं के अधिकार के लिए कलैगनर योजना) के तहत लगभग 1.15 करोड़ महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। बच्चों के शिक्षा के अधिकार को प्राप्त करने की दिशा में पहल के तहत मुख्यमंत्री नाश्ता योजना के तहत 20.73 लाख बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

### भूस्खलन प्रभावित परिवारों के लिए सहायता की घोषणा की

**तिरुवनंतपुरम/ठाणे ।** केरल सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह वायनाड जिले के मुंडक्कई और चूरलमाला गांवों में हाल ही में हुए भूस्खलन में अपने घर पूरी तरह से खो चुके लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, ताकि उन्हें एक नयी जगह पर स्थानांतरित करने में मदद मिल सके। वहीं, किसान संगठनों ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों की मदद के लिए केरल मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये की राशि दान की है। केरल में मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि यह सहायता इन क्षेत्रों में आपदा से प्रभावित सभी लोगों को उपलब्ध होगी। बयान में कहा गया है कि सरकार उन परिवारों के वयस्कों को 300 रुपये का दैनिक भत्ता प्रदान करेगी, जिन्होंने आपदा के कारण अपनी आय का स्रोत खो दिया है। बयान के अनुसार, यह लाभ प्रति परिवार दो सदस्यों तक सीमित होगा, उन मामलों को छोड़कर जहां परिवार का कोई सदस्य गंभीर रूप से बीमार है या अस्पताल में भर्ती है। उस स्थिति में लाभ तीन सदस्यों तक बढ़ाया जाएगा। यह सहायता अधिकतम 30 दिन के लिए प्रदान की जाएगी।

## संसद सत्र- वक्फ बिल के लिए जेपीसी का गठन

# लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

**अंकित सिंह**

अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी जिसमें केंद्रीय बजट 2024-25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं और सदन की कार्य उत्पादकता 136 प्रतिशत रही।

संसद का मानसून सत्र खत्म हो गया है। आज लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। नई सरकार के गठन के बाद इस सत्र में बजट भी पेश किया गया। दोनों ही सदनों में बजट को लेकर ही ज्यादातर चर्चाएं हुई हैं। हालांकि इस सत्र के दौरान कुछ मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने भी रहे। आखिरी दिन भी राज्यसभा में वार-पलटवार का दौर देखने को मिला। जबकि इसी सत्र में जाति को लेकर लोकसभा में जबरदस्त तरीके से बवाल हुआ था। आज की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही दोनों सदनों ने ओलंपिक में मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा और भारतीय हॉकी टीम को बधाई दीं। वहीं लोकसभा में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 को मंजूरी दे दी गई। चलिए आपको बताते हैं कि आज कार्यवाही में क्या कुछ हुआ।

अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी जिसमें केंद्रीय बजट 2024-25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं और सदन की कार्य उत्पादकता 136 प्रतिशत रही। अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की शुरुआत 22 जुलाई को हुई थी जिसमें 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया। अध्यक्ष बिरला ने बताया कि सदन में बजट पर सामान्य चर्चा 27 घंटे 19 मिनट तक चली जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया। चर्चा का जवाब वित्त मंत्री सीतारमण ने 30 जुलाई को दिया। लोकसभा में 30 जुलाई से पांच अगस्त तक स्वास्थ्य मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, रेल मंत्रालय और मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा के बाद इन्हें मंजूरी दी गई। सदन ने गत पांच अगस्त को केंद्रीय बजट से संबंधित विनियोग विधेयक 2024 को मंजूरी दी। इसके अलावा लोकसभा के इस सत्र में वित्त विधेयक 2024, जम्मू कश्मीर विनियोग विधेयक 2024 और भारतीय वायुयान विधेयक, 2024 को पारित किया गया।

लोकसभा ने विमान के डिजाइन, निर्माण, रखरखाव, संचालन और बिक्री सहित विमानन उद्योग के विभिन्न पहलुओं को विनियमित करने के प्रावधानों वाले भारतीय वायुयान विधेयक, 2024 को शुक्रवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक पर सदन में बृहस्पतिवार को चर्चा पूरी हो गयी थी और नागरिक विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने शुक्रवार को सदन में चर्चा का जवाब दिया जिसके बाद सदन ने विभिन्न विपक्षी सदस्यों के संशोधन प्रस्तावों को खारिज कर दिया तथा विधेयक को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी।

लोकसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए संसद की संयुक्त समिति के गठन की खातिर सदन के 21 सदस्यों को नामित करने तथा राज्यसभा से 10 सदस्यों को नामित करने की अनुशंसा संबंधी प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दी। इस संयुक्त समिति में लोकसभा से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है उनमें भारतीय जनता पार्टी के आठ और कांग्रेस के तीन सांसद शामिल हैं। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में यह प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। इस समिति में भाजपा से जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जयसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय और डीके अरुणा को शामिल किया गया है, जबकि कांग्रेस से गौरव गोगाई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद को इस समिति का हिस्सा बनाया गया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि सरकार रूसी सेना में भर्ती 69 भारतीय नागरिकों के सेवा से बाहर निकलने का इंतजार कर रही है और कई मामलों में ऐसे संकेत मिले हैं कि भारतीय नागरिकों को गुमराह किया गया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मामले को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष उठाया था।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के मुद्दे को उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को गाजा की चिंता तो है, मगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बोलने में इनके होंठ सिल जाते हैं। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है?

राज्यसभा का 265वां सत्र शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। तीन बार के स्थगन के बाद जब सदन की कार्यवाही साढ़े तीन बजे आरंभ हुई तब सभापति जगदीप धनखड़ ने कुछ आवश्यक कामकाज निपटाने के बाद उच्च सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, उच्च सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई।

# झमाझम बारिश से जलमग्न हुए रास्ते, घरों में भरा पानी

■ उफान पर दादर नाला

**कोरबा।** कोरबा में गुरुवार रात से हो रही भारी बारिश के कारण दादर नाला के साथ ही आसपास का इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। झमाझम बारिश के कारण दादर सड़क पानी से डूब गई है, जिससे मार्ग के दोनों तरफ से आवाजाही बंद हो गई है। लोग अपनी जान को दांव पर लगाकर सड़क पार कर रहे हैं। नाला में पानी के भरने से कई लोगों के घर में पानी प्रवेश कर गया है, जिससे वे अपने घरों में कैद होकर रह गए हैं।

सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और स्थिती का आंकलन कर पानी को निकालने की व्यवस्था कर रहे हैं। क्षेत्र में जलभराव के कारण लोग काफी आक्रोशित हैं और

निगम के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि हर साल इस तरह की स्थिती निर्मित होती है। बावजूद इसके व्यवस्था दुरुस्त नहीं की जा रही। जलभराव के कारण कई खेत पानी में डूब गए हैं, जिससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है।

मानिकपुर निवासी राजेश लहरी ने बताया कि भारी बारिश के कारण दादा नाले के उस तरफ उसके रिश्तेदार रहते हैं, जिनके हालचाल जानने आए थे। झमाझम बारिश के कारण दादर स्थित परशुराम नगर के कई घरों में पानी घुस गया। रात के अंधेरे में पानी के घर में घुसने के कारण लोग परेशान हो गए। पानी को घर से बाहर निकालने के चक्कर में रात से सुबह हो गई। बावजूद इसके समस्या का समाधान नहीं हुआ।

करतला विकासखंड की ग्राम पंचायत ढोढातराई में 40 लाख में बनी पुलिया के साथ वॉल का निर्माण कराया गया था। तेज बारिश के कारण वॉल के पास से पानी के तेज बहाव में सड़क कटती चली गई और बड़ा हिस्सा पानी में बह गया। ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित स्कूल और बाउंड्री वॉल के बह जाने के कारण ढोढातराई ग्राम का अन्य आश्रित ग्राम जामपानी, छातापाठ, लबेद , सुपातराई आदि गांवों से संपर्क टूट गया है।

झमाझम बारिश के कारण एसईसीएल गेवरा खदान में तबाही का मंजर आया सामने आया। खदान में खड़ी कई मशीनरी पथरीली मिट्टी के बहाव में दब गए और जल भराव हो गया। पथरीली मिट्टी के तेज बहाव में गेवरा खदान के केजेएसएल कंपनी के यार्ड समेत क्षेत्र में तबाही का मंजर देखने को मिला, जिसमें कई मशीनरी वाहन चपेट में आ गए। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना अब तक नहीं मिली है। खदान में कई काम जलभराव के कारण प्रभावित हुए हैं।

# पत्रकार पर कातिलाना हमला, आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर किया धरना प्रदर्शन

**बालोद।** पत्रकार पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने में हाथ पांव क्यों फूल रहे है थाना प्रभारी टीएस पट्टावी के। आखिर किस बात की घबराहट है थाना प्रभारी को? किसने मना पर रखा है, कार्यवाही के लिए? पत्रकार पर हुए जानलेवा हमले को कई दिन बीत चुके है और हमलावर खुलेआम घूम रहे है वही पत्रकार संगठन भी इस मामले को लेकर पुलिस के जिम्मेदारों तक अपनी गुजारिश रख चुका है। पत्रकारों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए गुरुर पुलिस पर अपराधियों का साथ देने की बात पर नाराजगी जताते गुरुर में सड़क किनारे धरना दिया। जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रम जबर थाना घेराव में धरना प्रदर्शन और थाना घेराव के सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे। 30 जुलाई 2024 की घटना के नौ दिन बाद भी हमलावरों की गिरफ्तारी ना होने से वे नाराज थे। गुरुर में न्याय व्यवस्था चरमरा गई है, अगर जल्द पीड़ित पत्रकार को न्याय नहीं मिला तो जल्द ही उग्र आंदोलन कर मुख्य मंत्री और गृह मंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

खाता न बही, वर्दी जो करे, वहीं सही। यह कहावत बालोद जिले के गुरुर थाने के थाना प्रभारी तूल सिंह पट्टावी पर सटीक बैठती है। जो अपने निजी लाभ के चलते एक तरफा कार्यवाही करने को लेकर चर्चा में रहते है। जहां पुलिस ने पत्रकार पत्रकार पर हुए कातिलाना हमले के मामले में दिखावटी कार्यवाही की और किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नही किया है। पत्रकार विनोद नेताम ने बताया कि पूर्व विधायक भैयाराम सिन्हा, सुमित राजपूत, साजन पटेल, ओंकार महल्ला, तुलेश सिन्हा और अन्य लोगों ने गाली गलौज करते हुए जानलेवा हमला कर जान से मारने की कोशिश की थी।

# पहाड़गांव और कुमेली जलप्रपात पर्यटन क्षेत्र होगा विकसित

**सूरजपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। सूरजपुर जिले में पर्यटन विकास की दृष्टि से रामानुजनगर जनपद अंतर्गत कुमेली जलप्रपात और सूरजपुर जनपद अंतर्गत पहाड़गांव क्षेत्रों में हुए पूर्व के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।

गौरतलब है कि पहाड़गांव सूरजपुर जनपद में अंबिकापुर रोड, सिलफिली के समीप स्थित क्षेत्र है जहां खोखनिया बांध निर्माण से झील का निर्माण हुआ है। पहाड़ों के बीच स्थित झील शांत वातावरण में मनोरम एवं आकर्षक दृश्य निर्मित करता है। स्थल में पर्यटन विकास की संभावना को देखते हुए प्रशासन के द्वारा यहां पहुंच मार्ग के विकास के साथ अन्य सभी सुविधाएं

उपलब्ध कराई जा रही है। क्षेत्र के विकास को लेकर पर्यटकों के सुरक्षा, खाद्य पदार्थों और पेयजल की उपलब्धता, हट पैगोडा निर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन, शौचालय सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा झील में बोटिंग की सुविधा शुरू करने के संबंध में भी कार्ययोजना बनाने के लिए कहा गया है। जिला प्रशासन द्वारा कुमेली जलप्रपात क्षेत्र के विकास के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है।

जिला प्रशासन द्वारा यहां अपशिष्ट प्रबंधन, चेतावनी बोर्ड सहित सुरक्षा के इंतजाम, पेयजल की सुविधा, हट पैगोडा निर्माण के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने यहां लगे सोलर लाइट एवं निर्मित शौचालय के मरम्मत के लिए भी निर्देशित किया। कुमेली जलप्रपात सूरजपुर से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित है। सूरजपुर जिला मुख्यालय से यहां केतका रोड एवं राजापुर रोड होते हुए पहुंचा जा सकता है। कुमेली जलप्रपात घने वन के मध्य स्थित है जो लगभग 50 फीट ऊंचा जलप्रपात है जो वर्षा काल में और भी ज्यादा आकर्षक एवं मनमोहक दृश्य का निर्माण करता है।

# दंतैल हाथी ने तीन लोगों को उतारा मौत के घाट

■ हमले से लोगों में दहशत, वन विभाग और पुलिस की टीम तैनात

**कोरबा।** गुरुवार की सुबह एक दंतैल हाथी जंगल से भटक कर कटघोरा वन मंडल के कुसमुंडा के करीब पहुंच गया जिसके बाद रलिया, आमगांव नराईबोध आसपास गांव में तांडव मचाते नजर आया। गुरुवार की सुबह रलिया निवासी मॉर्निंग वॉक पर निकली गायत्री बाई और कई मवेशियों को हाथी ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया।

इसके बाद गांव में हड़कंप मच गया वन विभाग और पुलिस की टीम लगातार दिन भर निगरानी कर रही थी। देर रात होते ही हाथी पाली, पडनिया, जटराज, होते हुए खैरभवना गांव पहुंचा और दो महिलाओं को पटक पटक कर मार डाला। बता जा रहा है कि घर के और सदस्यों ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। इस घटना के बाद देखते ही देखते ग्रामीण की भीड़ एकत्रित हो गई और वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को जमकर खरी-खोटी सुनाई। कटघोरा वन मंडल के एसडीओ चंद्र कांत टिकरिहा ने बताया कि लगातार हाथी पर नजर बना रखा है और दंतैल हाथी काफी आक्रामक है। लगातार ड्रोन कैमरे की मदद से नजर रखी जा रही है। हाथी के हमले से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। उरगा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा ने बताया कि हाथी की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौका पर तैनात है और ग्रामीणों को जंगल की ओर जाने से रोका जा रहा है। बताया जा रहा है कि देर रात हाथी कनकी से होते हुए जांजगीर चापा जिले के पंतोरा जंगल की ओर चला गया है। जिस पर तीन जिलों की पुलिस और वनकर्मी नजर रखी हुई है। कोरबा, जांजगीर चांपा के अलावा बिलासपुर के वन कर्मियों को भी सूचित कर दिया गया है ताकि हाथी पर नजर बनाए रखें।

# नक्सलगढ़ दंतेवाड़ा में हर घर तिरंगा अभियान

## अंतिम छोर तक झंडा फहराने का लक्ष्य

**दंतेवाड़ा।** केन्द्र सरकार इस बार भी हर घर तिरंगा अभियान चला रही है। देश के कोने-कोने में हर घर में तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा गया है। इस बीच दंतेवाड़ा नगर पालिका की ओर से 15 अगस्त को आजादी का जश्न हर्ष से मनाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए नगर पालिका की ओर से हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले में नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष की ओर से अपने कर्मचारियों के साथ नगर में रैली निकाली गई। इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्व-सहायता समूह की दीदीयों ने गली, मोहल्ले, वार्डों में जाकर इसका प्रचार-प्रसार किया है। ताकि हम आजादी का जश्न हर्षोल्लाह से मना सके। ताकि हर घर तिरंगा झंडा फहराया जा सके।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के अंतिम छोर तक मनाया जाएगा जश्न- इस बारे में दंतेवाड़ा नगर पालिका उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर पालिका की ओर से बाइक रैली के माध्यम से हम डोर टू डोर कैंपेन कर इसका प्रचार प्रचार कर रहे हैं, ताकि 15 अगस्त हर्षोल्लास से मनाया जा सके। इसके लिए स्व-सहायता समूह की महिलाएं गांव-गांव जाकर हर घर तिरंगा अभियान का प्रचार-प्रसार करेंगी। हम गांव-गांव में सरपंच, सचिव, प्रतिनिधियों के माध्यम से भी जिले के अंतिम छोर तक इस अभियान का प्रचार-प्रसार करेंगे। ताकि नक्सल प्रभावित क्षेत्र के अंतिम छोर तक आजादी का जश्न मनाया जा सके।

बता दें कि प्रशासन की ओर से लगातार मुख्य धारा से भटके युवाओं से मुख्यधारा में लौटने की अपील की जा रही है। ताकि वह छत्तीसगढ़ शासन-प्रशासन की पुनर्वास नीति के तहत घर वापसी अभियान के तहत समाज की मुख्य धारा में जुड़कर देश के विकास में अपना योगदान दे। इस बीच कई नक्सली शासन की अभियान से प्ररित होकर मुख्यधारा में लौट भी रहे हैं। वहीं, इस बार पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान चलाने की लोगों से अपील की जा रही है। ताकि लोग बढ़-चढ़ कर आजादी के जश्न में हिस्सा ले।

# रायगढ़ पुलिस ने गुम हुए 103 मोबाइल फोन को उनके मालिकों को सौंपे

**रायगढ़।** रायगढ़ पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के मार्गदर्शन व साइबर सेल डीएसपी अभिनव उपाध्याय के मार्गदर्शन में साइबर सेल की टीम ने गुम एवं चोरी हुए मोबाइलों की खोज में एक बार फिर से सफलता हासिल करते हुए पिछले दो महीनों पहले गायब हुए 103 मोबाइलों को अलग-अलग राज्यों से रिकवर किया है।

पुलिस ने इन मोबाइलों को छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों जैसे ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, और बिहार से भी बरामद किया गया। बरामद किए गए मोबाइलों में वीवो, रेडमी, सैमसंग, रियलमी और एमआई जैसे महंगे ब्रांड शामिल हैं। पुलिस द्वारा इन मोबाइलों को उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया गया, जिससे

उनके चेहरे पर खुशी साफ देखी जा सकती थी।

रायगढ़ एसपी दिव्यांग कुमार पटेल ने मोबाइल स्वामियों को सलाह दी कि वे अपने मोबाइल को सुरक्षित रखें और किसी भी अन्य व्यक्ति का मोबाइल मिलने पर उसे नजदीकी थाने में जमा करें। उन्होंने यह भी कहा कि बिना बिल के मोबाइल कभी न खरीदें, ताकि किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधियों से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि चोरी या गुम हुए मोबाइल की ऑनलाइन रिपोर्ट की वेबसाइट पर किया जा सकता है।

अन्य जिलों के मुकाबले रायगढ़ साइबर सेल काफी प्रभावी साबित हुई है, जो अब तक 1600 सौ से अधिक गुम या चोरी हुए मोबाइलों को ट्रैस कर उनके स्वामियों तक पहुंचाया गया है। साइबर डीएसपी अभिनव उपाध्याय, डीएसपी अमन लखीसरानी के साथ पूरी साइबक टीम गंभीर मामलों में अपराध विवेचना में सहयोग के साथ गुम, चोरी हुए मोबाइलों को रिकवर करने में लगातार जुटी हुई है।

मोबाइल रिकवर करने के कार्य में साइबर सेल के प्रधान आरक्षक राजेश पटेल, दुर्गेश सिंह, बृजलाल गुर्जर, रेणु सिंह मंडावी, आरक्षक प्रशांत पंडा, महेश पंडा, धनंजय कश्यप, विकास प्रधान, प्रताप बेहरा, नवीन शुक्ला, सुरेश सिदार, पुष्पेन्द्र जाटवर, रविंद्र गुप्ता, विक्रम सिंह, महिला आरक्षक मेनका चैहान की सराहनीय भूमिका रही है। इस संबंध में साइबर सेल प्रभारी अभिनव उपाध्याय ने बताया कि जब मोबाइल फोन गुम हो जाते हैं या फिर चोरी हो जाते हैं। जब तक हम आईएमईआई ट्रैस करते हैं तब तक वह फोन चौथे से पांचवे हाथों तक पहुंच चुका रहता है। जरूरी नहीं होता कि जो चोरी किये रहता है, फोन उसी के पास रहता है। जो लोग गलती से चोरी का मोबाइल खरीद लेते हैं और जब उन्हें इसका पता चलता है, वे ईमानदारी पूर्वक मोबाइल फोन कोरियर के जरिये रायगढ़ साइबर सेल के पते में भेज देते हैं।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### डीएम बने तड़पते राहगीरों के मसीहा, अस्पताल लेकर पहुंचे

**भाटापारा।** भाटापारा में दो लोग सड़क हादसे

घायल हो गए। दोनों सड़क किनारे तड़प रहे थे, आसपास लोगों की भीड़ जमा थी। इस बीच वहां से डीएम दीपक सोनी गुजरे। उन्होंने जब सड़क पर पड़े खून से लथपथ घायलों को तड़पते देखा, तो तुरंत अपनी गाड़ी से उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचा देने से दोनों की जान बच गई। जानकारी के मुताबिक, भाटापारा बलौदा बाजार मार्ग पर अर्जुनी खमरिया के बीच बाइक सवार दो युवक सड़क हादसे में घायल होकर सड़क किनारे पड़े हुए थे। जिसे देखने ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ लगी हुई थी। तभी भाटापारा की ओर से वापस बलौदाबाजार जा रहे कलेक्टर ने भीड़ देख कर अपनी गाड़ी रुकवा दी और घायलों को अपनी गाड़ी में बैठकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर उपचार करवाया। घायलों की पहचान रघु निषाद (37) निवासी अमलीडीह और रोहित कुमार ध्रुव (41) निवासी बोथाडीह के रूप में हुई है।

### हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

**बलौदाबाजार-भाटापारा।** जिले के कलेक्टोरेट परिसर में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री दीपक सोनी तथा आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने बड़ा देव की पूजा- अर्चना किया तथा शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के लोग पारम्परिक परिधान एवं वेश- भूषा के साथ शामिल हुए। इस दौरान मल्लखम्भ प्रशिक्षण के 20 प्रतिभागियों को ड्रेस किट का वितरण किया गया। इसके साथ ही निःशुल्क पौधा वितरण भी किया गया। कलेक्टर श्री सोनी ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि ऐसे अवसर एक दूसरे के साथ जुडने व जानने समझने के लिए होता है। एक दूसरे से जुड़ेंगे तो समाज के बारे में जानकारी मिलेगी, समस्या या सुझाव मिलेंगे जिससे समाज की बेहतरी के लिए रास्ते निकलेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी समस्या या बात रखने में संकोच न हो।

### कमिश्नर द्वारा बंधुआ तालाब के सौंदर्यीकरण का अवलोकन

**नारायणपुर।** बस्तर संभाग के कमिश्नर डोमन सिंह ने शुक्रवार को नारायणपुर जिले के भ्रमण के दौरान नगर के बीचों-बीच स्थित बंधुआ तालाब का अवलोकन किया। उन्होंने सौंदर्यीकरण कार्य एवं निर्माणाधीन तालाब को देखकर प्रसन्नता जताई। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका परिषद सीएमओ ने बच्चों के खेलने एवं सौंदर्यीकरण हेतु बनाए गये ड्राइंग को दिखाया। कमिश्नर ने सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब के चारों ओर झूला, सांप-सीढ़ी सहित विभिन्न खेल सामग्रियां उपलब्ध कराएं तथा मॉर्निंग वॉक ट्रैक बनाए जाने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री सिंह ने भरे हुए पानी को देखकर पानी की निकासी और साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही रामकृष्ण मिशन आश्रम के खेल मैदान में चल रहे जूनियर नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता को देखा। उन्होंने आश्रम में स्थित साधु निवास पहुंचकर सचिव स्वामी व्यापतानन्द से भेंटकर हालचाल जाना। बस्तर संभाग के कमिश्नर ने जिला मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम बिंजली में स्थित शांत सरोवर का भ्रमण किया।

### जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों को पुलिस ने किया जागरूक

**कोंडागांव।** जिले की पुलिस के द्वारा लगातार थाना क्षेत्र के ग्रामों के सरपंच, उप सरपंच, पंच, गायता, पटेल, पुजारी, व ग्रामीणों को थाना में बैठक लेकर जागरूक करने का अभियान चलाए जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कोंडागांव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंडागांव के निर्देशन में थाना प्रभारी कोंडागांव के द्वारा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोंडागांव की उपस्थिति में थाना कोंडागांव क्षेत्र अंतर्गत के ग्रामों के सरपंच, उप सरपंच, पंच, गायता, पटेल, कोटवारो को थाने में बैठक आयोजित कर आजकल हो रहे साइबर ठगी, ऑनलाइन ठगी, नौकरी लगने के नाम से ठगी, खाद दिलाने के नाम से ठगी, सोना चांदी साफ करने के नाम से ठगी, व अन्य ठगी के संबंध में जानकारी देते हुए व ग्रामों के बाजारों में सर्राफा व्यापारियों को हाट बाजारों में दुकान लगाने पर सतर्क रूप से दुकान लगाकर खरीदी बिक्री करने के संबंध में दिशा निर्देश देकर ग्राम कोटवारों के माध्यम से ग्रामों के बाजारों में जाकर नजर बनाये रखने व सतर्क पूर्वक रहने हिदायत दिया गया।

### 10 चक्का वाहन की चपेट में आने से युवक की गई जान

**दंतेवाड़ा।** किरंदुल में गटर पुलिया के पास शुक्रवार सुबह 10 चक्का वाहन के साइड बताने के दौरान युवक गिर पड़ा और वाहन की चपेट में आ जाने से उसकी मौके पर ही युवक ओम उम्र 20 वर्ष निवासी कोंडागांव की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार युवक ओम अपनी 14 चक्का वाहन में था, इस दौरान एक 10 चक्का वाहन के ड्राइवर ने उसे साइड बताने के लिए बुलाया और वह युवक गाड़ी की साइड बताने लगा पीछे एक और गाड़ी खड़ी थी और साइड बताते हुए युवक गिर गया और वाहन की चपेट में आ जाने से उसकी मौत हो गई । विदित हो कि परिवहन संघ बीटीओए के माध्यम से किरंदुल में बड़ी संख्या में 10 चक्का 14 चक्का वाहन का संचालन होता है। किरंदुल में ट्रांसपोर्ट नगर के अभाव में सभी ट्रक मालिक व ड्राइवर अपनी गाडियां मुख्य मार्ग पर खड़ी कर देते हैं, जिसकी वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। इन हादसों पर विराम लगाने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर की मांग के बाद भी अब तक जिला प्रशासन और ना ही नगर पालिका प्रशासन संज्ञान ले रही है।

# बारसूर के नागफनी में नाग देवता का 10वीं-11वीं शताब्दी का प्राचीन मंदिर दर्शनीय

■ नागफनी में नाग पंचमी के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति वार्षिक मेला का आयोजन

**दंतेवाड़ा।** जिले के गीदम से महज 10 किलोमीटर दूर बारसूर में नागफनी नामक ग्राम स्थित है, नागफनी में नाग देवता का पुरातत्व विभाग के द्वारा संरक्षित 10वीं-11वीं शताब्दी के प्राचीन मंदिर आज भी दर्शनीय है। यहां परंपरा के अनुसार नागपंचमी के दिन विशेष पूजा अर्चना की जाती है। नागवंशी राजाओं द्वारा स्थापित भव्य इस मंदिर की स्थापत्य कला बेजोड़ है, साथ ही नाग की अद्भुत कथाएं चर्चित है, लोगों की आस्था इस मंदिर से जुड़ी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों की माने तो यह मंदिर नागवंशी राजाओं के समय में बनाया गया था, जिसे आज भी स्थानिय ग्रामीणों ने सहेज कर रखा है। प्रतिवर्ष नागपंचमी के अवसर पर इस नाग मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। विदित हो कि बस्तर के आदिवासियों के गोत्र जीव-जंतु पर आधारित होते हैं। बस्तर की कई जनजातियों का गोत्र नाग है, इसलिए वे अपना उपनाम नाग लिखते हैं। विशेषकर हल्बा, मुरिया,

महारा समुदाय के लोगों का कहना है कि नाग देवता को कुल देवता के रूप में भी पूजते हैं। इस समुदाय के लोग शरीर पर सर्प का गोदना भी गुदवाते हैं।

नागफनी में नाग पंचमी के अवसर पर शुक्रवार को वार्षिक मेला और यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें आस-पास के लगभग 25 गांवों के ग्रामीण नाग देवता से खुशहाली की कामना के साथ जान माल की सुरक्षा की प्रार्थना करने यहां पहुंचे थे। सुबह आठ बजे से ही दर्शनार्थियों की भीड़ नाग मंदिर में जुटने लगी थी। लोग कतारबद्ध होकर नाग देवता की पूजा अर्चना की। दोपहर साढ़े ग्यारह बजे यज्ञशाला में हवन यज्ञ प्रारंभ हुआ। आहुतियां डाली गई तथा प्रसाद ग्रहण किया। नाग मंदिर की पूजा नागफनी ग्राम का अटामी परिवार करता है। मंदिर के प्रमुख पुजारी प्रमोद अटामी बताते हैं कि उनका उपनाम अटामी का आशय लंबी पूछ वाला या लंबा जीव से है। अर्थात सर्प ही अटामी है, अटामी परिवार नागफनी गांव के अलावा आस-पास के दर्जनों गांव में निवास करते हैं।

गीदम निवासी रज्जन गुप्ता ने बताया कि नागवंशी राजाओं द्वारा बनाए गए इस मंदिर की अपनी एक अलग ही पहचान है, एक अलग ही विशेषता है। नागपंचमी के दिन यहां हर साल मेला लगता है। दूर-दूर से बड़ी संख्या में लोग यहां पूजा-अर्चना करने आते हैं, नाग देवता को दूध चढ़ाया जाता है। बारसूर में नागवंशी राजाओं का राज्य था, नागवंशी राजाओं ने अपने शासन काल में अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया, उनमें से कुछ मंदिर आज भी अस्तित्व में हैं, जिनमें से एक गीदम बारसूर मार्ग में नागफनी नामक ग्राम में नाग देवता का मंदिर स्थित है। नाग मंदिर का मुख्य दिशा पश्चिम की ओर है एवं 11वीं व 12वीं शताब्दियों की मूर्तियां हैं। मंदिर में प्रवेश द्वार के बायीं ओर शिलाखंड में नरसिम्हा की मूर्ति एवं दायीं ओर शिलाखंड में नृत्यांगना की मूर्ति स्थापित है। मंदिर के गर्भगृह में बायीं ओर नाग-नागिन की मूर्ति व दायीं ओर गणेश भगवान की मूर्ति व शिलाखंड में द्वारपाल की मूर्ति स्थापित है।

पौराणिक कथा के अनुसार,अर्जुन के पौत्र और राजा परीक्षित के पुत्र जन्मजेय ने सर्पों से बदला लेने और नाग वंश के विनाश के लिए एक नाग यज्ञ किया। क्यों कि उनके पिता राजा परीक्षित की मृत्यु तक्षक नामक सर्प के काटने से हुई थी। नागों की रक्षा के लिए इस यज्ञ को ऋषि जरत्कारु के पुत्र आस्तिक मुनि ने रोका था। उन्होंने सावन की पंचमी वाले दिन ही नागों को यज्ञ में जलने से रक्षा की थी। और इनके जलते हुए शरीर पर दूध की धार डालकर इनको शीतलता प्रदान की थी। उसी समय नागों ने आस्तिक मुनि से कहा कि पंचमी को जो भी मेरी पूजा करेगा उसे कभी भी नागदंश का भय नहीं रहेगा। तभी से पंचमी तिथि के दिन नागों की पूजा की जाने लगी। जिस दिन इस यज्ञ को रोका गया, उस दिन श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी एवं तक्षक नाग व उसका शेष बचा वंश विनाश से बच गया। उल्लेखनीय है कि नाग पंचमी के अवसर पर शहर में पहले अखाड़ों में दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता था, लेकिन अब यह देखने को नहीं मिलता। युवाओं में कुश्ती के प्रति कोई रूझान नहीं दिखता। अखाड़े प्रायः बंद हो चुके हैं, तथा अब जीम का जमाना आ गया है, जहां कुश्ती का कोई स्थान नहीं रह गया। इसके अलावा सपेरे नाग पंचमी के पहले से ही शहर में देखे जाते रहे हैं, लेकिन अब सपेरों की संख्या नहीं के बराबर रह गयी है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन सांपों की पूजा करने से उनका विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है, और सर्प से क्षति होने का भय नहीं रहता है।

## संक्षिप्त समाचार

### हर-घर तिरंगा अभियान में सभी उत्साह से भाग लें : राज्यपाल डेका

**रायपुर।** राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सभी नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान में उत्साह से भाग लेने की अपील की है। उन्होंने देश व प्रदेश के नागरिकों से आग्रह किया है कि अपने घरों में तिरंगा फहराएं और स्वतंत्रता दिवस को सम्मान व गर्व के साथ मनाएं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की हर घर तिरंगा अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके आव्हान पर यह अभियान आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव के तहत शुरू किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि यह अभियान, देश भक्ति और एकता की भावना को मजबूत करेगा और राष्ट्रीय पर्व की गरिमा बढ़ाएगा। इस महाअभियान से न केवल तिरंगे के प्रति हमारा व्यक्तिगत जुड़ाव मजबूत होगा बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना भी सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर देश के उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद करते हुए उनसे प्रेरणा लें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

### मुख्यमंत्री साय के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाने वाला अलवर से गिरफ्तार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नाम से फेसबुक में फर्जी आईडी बनाने वाले अंतर्राज्यीय आरोपी साहूकार खान को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट व सिविल लाईन पुलिस ने राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे घटना में प्रयुक्त 01 मोबाईल फोन जब्त किया गया है। उसके विरूद्ध थाना सिविल लाईन में भादवि. एवं आई.टी. एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अरोपी साहूकार खान मुख्यमंत्री के नाम एवं फोटो का दुरूपयोग कर फेसबुक में फर्जी आई.डी. बनाकर फेसबुक एकाउंट आपरेट कर रहा था। इसकी रिपोर्ट मनोज कुमार साहू ने दर्ज कराया था। इस पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट व सिविल लाईन पुलिस की संयुक्त टीम ने फर्जी आई.डी. का तकनीकी विश्लेषण करते हुए अज्ञात आरोपी की पहचान कर उसे राजस्थान के अलवर में लोकेट किया। एक विशेष टीम का गठन कर टीम अलवर भेजकर आरोपी साहूकार खान पिता घंटोली 40 साल निवासी कोटाखुर्द, थाना रामगढ़ को पकड़ा गया। कड़ाई से पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया।

### मुख्यमंत्री साय ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने पर नीरज चोपड़ा को दी बधाई

**रायपुर।** नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक की

जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गए। इस जीत के बाद उन्हें बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी नीरज चोपड़ा को बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने अपना शानदार प्रदर्शन कर देशवासियों का दिल जीत लिया। लगातार दूसरे ओलंपिक में उन्होंने मेडल जीतने का करिश्मा कर दिखाया। इसके पहले टोकियो ओलंपिक में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। सीएम विष्णुदेव साय ने पेरिस ओलंपिक खेलों में ब्रांज मेडल जीतने पर इंडियन हाकी टीम को भी बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्पेन के विरुद्ध भारतीय टीम ने शानदार मैच खेला। उन्होंने कहा कि हाकी भारत का राष्ट्रीय खेल है और भारत की टीम ने आज शानदार खेल दिखाते हुए देश की प्रतिष्ठा को विश्व पटल में बनाये रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओलंपिक के अपने सभी मैचों में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इसके लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह को भी बधाई है जिन्होंने आज दो गोल दागकर देश की विजय सुनिश्चित कर दी।

### पीसीसी चीफ दीपक बैज ने मुख्यमंत्री साय को लिखा पत्र

**रायपुर।** विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने आदिवासियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया है। पत्र में बैज ने सरकार पर आदिवासियों को अनदेखा का आरोप लगाया है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने अपने पत्र में कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस पर कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार के तहत आदिवासी समुदाय प्रताड़ित हुआ है और पुलिस और नक्सलियों के बीच संघर्ष में वे पीस रहे हैं। दीपक बैज ने बस्तर में फर्जी मुठभेड़ों में आदिवासियों की मौत का उल्लेख करते हुए इस पर गंभीर चिंता जताई है। इसके अलावा, उन्होंने रायपुर में एक आदिवासी युवक की हत्या और आदिवासियों की स्वास्थ्य समस्याओं की ओर इशारा किया। इसके साथ ही उन्होंने आदिवासियों के लिए 32 प्रतिशत आरक्षण के लंबित विधेयक का मुद्दा भी उठाया है।

# छत्तीसगढ़ में एक साथ हो सकते हैं नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव

■ **डिप्टी सीएम अरुण साव ने दिए बड़े संकेत**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद अब नगरीय निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है। इसी साल के आखिर तक निकाय और पंचायत चुनाव तारीखों के ऐलान की संभावना है। इस बार छत्तीसगढ़ में पंचायत और निकाय चुनाव एक साथ हो सकते हैं। डिप्टी सीएम अरुण साव ने इसके संकेत दिए हैं।

पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव एक साथ ?- डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा- देश में वन नेशन वन इलेक्शन की चर्चा हो रही है। सब जानते हैं कि आज लोग अपनी राय रखेंगे और सरकार भी इस दिशा में सोच रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी इस दिशा में सोच रही है। निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराए जाने को लेकर सुझाव मांगे गए हैं। राज्य सरकार ने एक समिति का गठन किया है। वे इस बात पर ना सिर्फ लोगों की राय लें बल्कि कानून में इसके लिए बनाए प्रावधान- म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक्ट 1986, म्युनिसिपलटी एक्ट 1961 और पंचायत राज अधिनियम 1993 तीन कानून है। दोनों निकायों के चुनाव के संचालन के लिए अलग अलग नियम बने हैं। इस पर विचार कर क्या संभावना बन सकती है, इसके लिए समिति राय देगी और सुझाव लेगी। उसके हिसाब से सरकार आगे बढ़ेगी।

नगरीय निकाय चुनाव क्या है- शहरों में होने वाले चुनावों को नगरीय निकाय चुनाव कहते हैं। नगरीय निकाय चुनाव में नगर पालिका, नगर निगम, नगर पंचायतों में चुनाव कराया जाता है। इस चुनाव में मेयर, नगर पंचायत अध्यक्ष और पार्षदों का चुनाव होता है।

पंचायत चुनाव क्या है- पंचायत चुनाव के तहत पंचायती राज में होने वाले चुनाव आते हैं। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत में चुनाव कराया जाता है। इसमें गांव की जनता जनपद पंचायत अध्यक्ष, सरपंच और पंच का चुनाव करती है।

# व्याख्याता से जिला शिक्षा अधिकारी बने टीकाराम ने भ्रष्टाचार में बनाया कीर्तिमान

## स्वयं के साथ पत्नी के नाम बनाई करोड़ों की संपत्ति

**रायपुर।** बिलासपुर जिला शिक्षा अधिकारी टीकाराम साहू के ठिकानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू की छापेमारी के बाद दर्ज कराए गए एफआईआर में जो जानकारी है, वह सरकारी महकमें, खासतौर से शिक्षा विभाग की सड़ंध को बताने के लिए काफी है। एसीबी की एफआईआर में उनके करीबन 35 साल के कार्यकाल में खड़ी की गई अकूत संपत्ति का पूरा ब्यौरा है।

एसीबी की एफआईआर में दी गई जानकारी के अनुसार, डीईओ साहू ने खुद के नाम 9 और आत्मानंद स्कूल में पदस्थ अपनी शिक्षिका पत्नी पूर्णिमा साहू के नाम 15 सम्पत्तियाँ खरीदी। इसमें रिहायशी प्लॉट्स के अलावा कृषि भूमि भी शामिल है। ये सभी प्रॉपर्टी कबीरधाम जिले में खरीदी गई। यही नहीं रजिस्ट्री स्टाम्प की कीमत ही करोड़ों में बताई गई है। इसमें अहम बात को सामने आई है कि डीईओ के निवास से एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम को कुछ खास नगद हासिल नहीं हुआ।

बिलासपुर जिला शिक्षा अधिकारी टीकाराम साहू के खिलाफ राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ संजय दिनकर देवस्थले ने ईओडब्ल्यू में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें बताया गया कि लोक सेवक के रूप में कार्य करते हुए टीआर साहू ने स्वयं एवं परिवार के सदस्यों के नाम से ज्ञात आय के स्त्रोत से काफी अधिक करोड़ों रुपए की अचल संपत्तियां अर्जित की।

एफआईआर में टीकाराम साहू के नाम पर दर्ज 16 संपत्तियों का और उनकी पत्नी पूर्णिमा साहू के नाम पर दर्ज 7 संपत्तियों का ब्यौरा दिया गया है।

# विधायक देवेंद्र यादव को पुलिस नोटिस पर दीपक बैज ने दी चेतावनी

■ **कहा- परेशान किया तो चुप नहीं बैठने वाली कांग्रेस, जन आंदोलन करेंगे खड़ा**

**रायपुर।** बलौदाबाजार घटनाक्रम में विधायक देवेंद्र यादव को मिल रहे नोटिस पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधायकों को लगातार परेशान किया गया तो कांग्रेस पार्टी चुप बैठने वाली नहीं है। सरकार के खिलाफ जन आंदोलन खड़े किए जाएंगे।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने मीडिया से चर्चा में कहा कि घटना को लेकर भाजपा सरकार अपनी विफलता को छुपा रही है। कांग्रेस नेता, विधायकों पर दुर्भावनापूर्वक कार्रवाई कर रही है। अगर सरकार पाक-साफ है तो सतनामी समाज ने सिर्फ सीबीआई जांच की मांग की तो इसकी घोषणा क्यों नहीं की गई।

तिरंगा यात्रा को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव के बयान पर बैज ने कहा कि इस बयान का कोई अर्थ नहीं। कांग्रेस पार्टी आजादी की लड़ाई लड़ने वाली पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी के पितृ संगठन जिन्होंने कई साल तक तिरंगा झंडा नहीं फहराया। वह झंडा फहराने की बात करते हैं गजब है। फर्जी राज राष्ट्रवादी सीखना है तो बीजेपी से सीखना चाहिए।

मंत्रियों के समस्या केंद्र पर पीसीसी चीफ ने कहा कि बीजेपी में इतनी समस्या आ रही है। कुछ काम हो नहीं रहे हैं। उनके पूरे मंत्री पूरी तरीके से फेल है। बीजेपी सरकार पूरी तरीके से रिमोट कंट्रोल की सरकार है। दिल्ली के नेता बीजेपी को रिमोट कंट्रोल की तरह उपयोग कर रहे।

ट्रेन रद्द के मामले पर संसद में बृजमोहन अग्रवाल के संसद में सवाल उठाए जाने पर दीपक बैज ने कहा कि इस चीज का क्या फायदा हुआ? हम साल भर से कह रहे हैं कि परिचालन बंद हो चुका है। आखिरकार अब बीजेपी को मानना पड़ा की परिचालन बंद हुआ। यहां की जनता ट्रेन के मामले को लेकर पूरी तरीके से परेशान है। डबल इंजन की सरकार में लगातार छत्तीसगढ़ के साथ सौतेला व्यवहार हुआ है।

# पांच जिलों के पंजीयन कार्यालयों में दस्तावेजों की जांच में पायी गई गड़बड़ी

■ **सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा की गई 1.02 करोड़ रूपए की राजस्व हानि की पहचान**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन के पंजीयन विभाग द्वारा अचल संपत्तियों के क्रय-विक्रय पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इन संपत्तियों के पंजीयन के दौरान दस्तावेज़ों के गलत मूल्यांकन को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये हैं। विभाग के सर्तकता प्रकोष्ठ द्वारा 18 प्रकरणों में 1.02 करोड़ रुपये की राजस्व हानि की पहचान की और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। सर्तकता प्रकोष्ठ द्वारा संबंधित जिलों के जिला पंजीयक शुल्क की वसूली के लिए प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए है। साथ ही संबंधित उप पंजीयक एवं जिला पंजीयकों को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया है।

गौरतलब है कि राज्य में स्थित 102 पंजीयन कार्यालयों में पंजीबद्ध होने वाले दस्तावेजों में कर अवपंचन की रोकथाम और सतत् निगरानी के लिए महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक मुख्यालय में विभागीय सतर्कता प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। पंजीयन विभाग द्वारा अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से संबंधित दस्तावेजों का पंजीयन से वित्तीय वर्ष 2023-24 में विभाग ने लगभग 2505.98 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक से मिली जानकारी के अनुसार सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, रायगढ़ और बेमेतरा जिले के अधिनस्थ पंजीयन कार्यालयों में पंजीबद्ध दस्तावेजों की रेण्डम जांच की गई। जिनमें 18 प्रकरणों में 1.02 करोड़ रूपए की राजस्व हानि पायी गई है। इन प्रकरणों में कम बाजार मूल्य का निर्धारण, इसके अलावा मुख्य मार्ग से लगी हुई एक ही खसरे की भूमि को दो दस्तावेजों के माध्यम से मुख्य मार्ग एवं अन्य मार्ग के दर अनुसार अलग-अगल उप पंजीयकों से पंजीयन कराया जाना पाया गया है। साथ ही गाइडलाईन के उपबंधों के अनुसार मूल्याकंन नहीं किया गया है। स्टाम्प शुल्क की छूट का प्रमाण पत्र जिस व्यक्ति के नाम से था उसके नाम से दस्तावेज का पंजीयन न किया जाकर अन्य व्यक्ति के नाम से दस्तावेज का पंजीयन किया गया है तथा औद्योगिक संपत्ति का 25 प्रतिशत अधिक मूल्यांकन नहीं किया गया है। स्टाम्प शुल्क छूट का प्रमाण पत्र बैंक के लोन पर प्रभार्य मुद्रांक शुल्क से छूट का था परंतु उस प्रमाण का लाभ भूमि क्रय करने हेतु लिया गया है। स्टाम्प शुल्क छूट निजी भूमि के क्रय पर दिया गया है परंतु औद्योगिक इकाई द्वारा स्टाम्प शुल्क छूट का लाभ भवन, शेड, मशीनरी हेतु लिया गया है।

# ड्रोन परियोजना से महिलाएं हो रही आत्मनिर्भर

**रायपुर।** केंद्र सरकार की नमो ड्रोन परियोजना से छत्तीसगढ़ की बिहान परियोजना से जुड़ी महिलाओं को रोजगार के नए-नए अवसर सुलभ हो रहे है। जिसके चलते आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर हो रही हैं। नमो ड्रोन योजना के तहत ग्राम पोंडी की सुश्री सीमा वर्मा और चोरभट्ठी कला की प्रितमा वस्त्रकार सफलता पूर्वक ड्रोन चलाकर खेतों में नैनों यूरिया का छिडकाव कर रहीं है। इससे किसानों के समय और कृषि लागत की बचत हो रही है। इन महिलाओं से अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही है। केंद्र सरकार की महिला सशक्तिकरण की इस योजना के तहत सुश्री सीमा वर्मा और श्रीमती प्रितमा वस्त्रकार को योजना के तहत ड्रोन दिया गया है। ड्रोन देने से पहले ग्वालियर में इन महिलाओं को 15 दिन का प्रशिक्षण दिया गया। महिलाओं ने बताया कि ड्रोन के जरिए प्रति एकड़ में नैनो यूरिया के छिड़काव में 5 से 7 मिनट का समय लगता है जिससे किसानों के समय और कृषि लागत की बचत हो रही है। महिलाएं ड्रोन चलाकर आर्थिक रूप से सक्षम बन रही है। सुश्री सीमा वर्मा द्वारा अभी तक 85 एकड़ मे ड्रोन के माध्यम से छिड़काव कर 25500 की आय अर्जित की गई है।

# 15 अगस्त से मंत्रालय में ई-ऑफिस का होगा क्रियान्वयन

## मुख्य सचिव ने ई-ऑफिस प्रक्रिया की समीक्षा की

**रायपुर।** मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने मंत्रालय महानदी भवन में ई-ऑफिस के क्रियान्वयन की समीक्षा की। एनआईसी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने मंत्रालय में ई-ऑफिस प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण दिया। इस अवसर पर मंत्रालय के सभी विभागों भारसाधक सचिव मौजूद थे। ई-ऑफिस के अंतर्गत ई-फाईल मेनेजमेंट सिस्टम, ई-फाईल प्रोसेस, एपीआई यूनिट डेटा डिस्प्ले, इंम्पिलिमेंट ई-ऑफिस, ई-फाईल एमआईएस रिपोर्ट सहित ई-ऑफिस की अन्य गतिविधियों के बारे में अधिकारियों को प्रस्तुतिकरण के जरिए जानकारी दी गई। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने सभी विभागों के अधिकारियों को ई-ऑफिस की प्रक्रियाओं को जानने तथा ई-ऑफिस के तहत कार्य करने के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। उन्होंने ई-ऑफिस के क्रियान्वयन के लिए एनआईसी के अधिकारियों को मंत्रालय में लगातार बैठने के निर्देश दिए है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री जनदर्शन पोर्टल के बारे में भी अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी। जनदर्शन पोर्टल के बारे में मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत ने पोर्टल के माध्यम से जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण की प्रक्रिया से अवगत कराया। 15 अगस्त से मंत्रालय में ई-ऑफिस का क्रियान्वयन चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। ई-ऑफिस से प्रशासन के कार्यों में तेजी आएगी। ई-फाइल तकनीक से मंत्रालय में सभी नोटशीट ऑनलाइन लिखी और भेजी जाएगी, फाइल के मूवमेंट में तेजी आयेगी। मंत्रालय में किस स्तर पर कितने दिनों से फाइल रुकी हुई है, इसकी जानकारी भी तत्काल प्राप्त हो जाएगी। जिससे की शासन स्तर में समीक्षा करना सरल हो जाएगा। समस्त फाइल ऑनलाइन उपलब्ध रहने से प्रशासन में पारदर्शिता आएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित इस बैठक में अपर मुख्य सचिव धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री सुब्रत साहू, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, सचिव मुख्यमंत्री एवं सुशासन एवं अभिसरण श्री राहुल भगत, नगरीय प्रशासन एवं मुख्यमंत्री के सचिव श्री बसवराजू एस., सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अन्बलगन पी., वित्त विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल, आयुक्त जनसम्पर्क श्री मयंक श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

# स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर झगराखाण्ड को मिली विकास कार्यों की सौगात

## नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से 1 करोड़ 16 लाख रूपए के 13 निर्माण कार्यों की मंजूरी

**रायपुर।** स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल से नगर पंचायत झगराखाण्ड को वित्तीय वर्ष 2024-25 में निकाय क्षेत्रांतर्गत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से अधोसंरचना मद में 13 निर्माण कार्यों हेतु अधोसंरचना मद से स्वीकृति मिली है। इन निर्माण कार्यो के लिए नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा 1 करोड़ 16 लाख 78 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की गयी है।

नगर पंचायत झगराखाण्ड के वार्ड क्र. 12 में धनेश के घर से पहाड़ी के घर तक सी.सी. रोड निर्माण के लिए 10.02 लाख रूपए, वार्ड क्र. 12 में सुदामा चौधरी के घर से खलील के घर तक नाली निर्माण के लिए 8.04 लाख रूपए, वार्ड क्र. 12 में आबिद के घर से सबीर के घर तक रिटर्निंग वॉल निर्माण कार्य के लिए 4.86 लाख रूपए, वार्ड क्र. 12 में भवानी के घर से पूनम पनिका के घर तक नाली निर्माण कार्य के लिए 4.91 लाख रूपए, वार्ड क्र. 12 में पंप हाऊस के पास शौचालय निर्माण कार्य के लिए 10.00 लाख रूपए, वार्ड क्र. 05 में गोलाई दफाई में शौचालय निर्माण कार्य के लिए 10.00 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

इसी प्रकार वार्ड क्र. 10 में लैला मजनू ग्राउण्ड के पास सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य के लिए 10.00 लाख रूपए, वार्ड क्र. 10 में आंगनबाड़ी में बाऊण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य के लिए 4.76 लाख रूपए, वार्ड क्र. 01 में संजय सेन के घर से संतोष वर्मा के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 4.72 लाख रूपए, वार्ड क्र. 15 में मोहन वर्मा के घर के पिछे रिटर्निंग वॉल निर्माण कार्य के लिए 4.48 लाख रूपए, वार्ड क्र. 06 एवं 07 मांगलिक भवन में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य के लिए 19.91 लाख रूपए, वार्ड क्र. 10 में जमुना यादव के घर से आनंद के घर तक नाली निर्माण कार्य के लिए 5.08 लाख रूपए, वार्ड क्र. 08 में पुष्पवाटिका में उन्नयन कार्य के लिए 20.00 लाख रूपए की राशि प्रदाय की गयी है।

# भ्रमण तो बहाना है, असल में निगम के पैसों से पिकनिक मनाना है

■ **महापौर-पार्षदों के भ्रमण पर उठ रहे सवाल**

**रायपुर।** शहर की व्यवस्था को दुरुस्त करने और स्वच्छता रैंकिंग में अव्वल आने का हवाला देकर थोक में नगर निगम पार्षद ङ्क अधिकारी दूसरे प्रदेशों का दौरा करते हैं। लेकिन इन दौरों का कोई फायदा होता अभी तक नजर नहीं आया है, उल्टे राजधानी की जनता की पैसों की बर्बादी के साथ निगम की रैंकिंग में गिरावट ही देखने को मिली है।

रायपुर नगर निगम के 65 जनप्रतिनिधि और अधिकारी एक बार फिर अध्ययन भ्रमण पर हैं। इस बार ये दौरा बैंगलुरु और मैसूर के शहर का है जिसमें रायपुर के महापौर एजाज ढेबर, एमआईसी सदस्य, पक्ष और विपक्ष के पार्षद और अधिकारी शामिल हैं। महापौर अध्ययन भ्रमण में इस बार यह समझने के लिए निकले हैं कि रायपुर स्वच्छता रैंकिंग में आखिर पीछे क्यों रह जाता है। जानकर ये हैरानी होगी कि साल 2022 में 80 से अधिक पार्षद और अधिकारी इंदौर और चंडीगढ़ इन्हीं व्यवस्थाओं के अध्ययन दौरे पर थे, जिसके परिणामस्वरूप रायपुर की रैंकिंग 6वें से सीधे 11वें स्थान पर आ गिरी थी।

इंदौर और चंडीगढ़ के भ्रमण व्यय की बात करें तो इस पर 40 लाख रुपए फूंक दिए गए थे। चंडीगढ़ के एक माडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चंडीगढ़ निगम के भी इस दौरे पर 12 लाख रुपए खर्च हुए थे। इससे साफ है कि निगम पदाधिकारियों का दौरा अन्य राज्यों को भी इसका बोझ उठाना पड़ता है। और इतने खर्चे के बाद राजधानी की तस्वीर में कोई बदलाव नजर नहीं आता। कचरा हर दिन की तरह राजधानी की सड़कों पर नजर आता है। ओपन ड्रेनेज सिस्टम हर साल जनता की परेशानी का सबब बनता है। लोगों के घरों में गंदा पानी घुसता है, बीमारियां फैलती है, एसटीपी फेल हो जाते हैं, हज़ारों मछलियाँ मरती हैं, और अंत में अध्ययन भ्रमण की सच्चाई सबके सामने होती है।

पिछले पांच सालों में रायपुर निगम के जन प्रतिनिधियों का यह दूसरा दौरा है, जिससे नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने तौबा कर लिया है। उनका कहना है कि पिछले दौरे से सीखी और समझी गई चीज़ों पर अमल नहीं किया गया। नेता प्रतिपक्ष के इस बयान से साफ है कि भ्रमण महज निगम के पैसों पर पिकनिक जाने का बहाना है।

**कार्यालय पुलिस अधीक्षक**
**स्पेशल टास्क फोर्स बघेरा, दुर्ग (छ.ग.) पिन नं. 491001**

निविदा विज्ञप्ति क्र.- पुअ/एसटीएफ/बघेरा/दुर्ग/साअ / आई-743-ए /24, दिनांक 29/07/2024

**निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 01/2024-25**

पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ बघेरा-दुर्ग के द्वारा निर्माण कार्य कराने जाने हेतु ई-पंजीयन के अंतगर्त श्रेणी द अथवा उससे उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारी से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर चुकता प्रमाण पत्र सहित) के साथ निविदा प्रपत्र के मूल्य राशि 1000.00 रू. का राष्ट्रीयकृत/अधिकृत बैंकों से पुलिस अधीक्षक एसटीएफ बघेरा-दुर्ग छ.ग. के नाम से डीमॉड ड्राफ्ट प्रस्तुत कर प्राप्त किये जा सकते है।

| क्र. | निर्माण कार्य का नाम व स्थान | प्रशासकीय स्वीकृति राशि |
|---|---|---|
| 1. | एसटीएफ मुख्यालय बघेरा में सीपीसी केन्टीन के ऊपर प्रथम तल निर्माण कार्य | 18,00,000.00 |
| 2. | एसटीएफ मुख्यालय बघेरा में सम्पवेल व पाईप लाईन कार्य | 9,55,000.00 |
| 3. | एसटीएफ हब कांकेर में 120 मी. बाउण्ड्रीवाल निर्माण व बारबेट वायर फेंसिंग कार्य | 12,00,000.00 |
| | सभी निर्माण कार्यों के लिए योग स्वीकृत राशि | 39,55,000.00 |

1 निविदा फार्म विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय- 02.09.2024 समय 17.00 बजे तक।
2 निविदा फार्म जमा करने का अंतिम तिथि एवं समय- 03.09.2024 समय 15.00 बजे तक।
3 टेक्निकल बिड खोलने का तिथि एवं समय- 03.09.2024 समय 16.00 बजे।
4 फायनेशियल बिड खोलने का समय व दिनांक पृथक से अवगत कराया जावेगा।
**नोटः**- 1. सुरक्षा निधि की राशि 28000.00 रूपये डीमॉड ड्राफ्ट या के नाम से देय होगा। टीडीआर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ बघेरा-दुर्ग छ.ग.
2. निविदा की नियम व शर्ते टेण्डर फार्म के साथ कार्यालयीन समय में सामग्री अध्यक्ष कार्यालय एसटीएफ बघेरा-दुर्ग से प्राप्त किये जा सकते है।
3. उपरोक्त 03 निर्माण कार्यों के लिए एक साथ निविदा फार्म भरा जाना है, किसी एक या दो कार्य के लिए निविदा मान्य नहीं किया जावेगा।

**पुलिस अधीक्षक**
**एसटीएफ बघेरा, दुर्ग (छ.ग.)**

जी-242501733/3

# बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर विपक्ष का मौन

**डॉ. आशीष वशिष्ठ**

बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफा देकर भागने के बाद देश के अंदर हिंदुओं के ऊपर अत्याचार शुरू हो गया है। बांग्लादेश में जगह-जगह पर हिंदू मंदिरों और हिंदू समुदाय पर हमले की खबरें आ रही हैं। बांग्लादेश से आ रही रिपोर्ट से पता चलता है कि हिंदुओं के घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इस्कॉन और काली मंदिर पर हमले हुए हैं, जिसके बाद हिंदुओं को जान बचाने के लिए छिपना पड़ा है। मोदी सरकार पूरे मामले में पर नजर बनाए हुए हैं। लेकिन इन सबके बीच विपक्ष का बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, लूटपाट और हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों पर एक शब्द न बोलना कई प्रश्न खड़े करता है। बांग्लादेश में एक हिंदू संगठन ने दावा किया है कि शेख हसीना के हटने के बाद से सैकड़ों हिंदू घरों, प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमले किए गए। बांग्लादेश की 170 मिलियन आबादी में करीब 8 फीसदी हिंदू हैं और उन्होंने ऐतिहासिक रूप से शेख हसीना की आवामी लीग पार्टी को सपोर्ट किया है, जो मुख्य रूप से धर्मनिरपेक्ष के रूप में जानी जाती है। इसके उलट विपक्षी गठबंधन में एक कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी शामिल है। बांग्लादेश के 27 जिलों में घरों में घुसकर हिंदुओं के साथ मारपीट की जा रही है। हिंदुओं के घरों में आग लगाई जा रही और उनकी दुकानें लूटी जा रही है। हिंदुओं का बेरहमी से कत्लेआम हो रहा है। मंदिरों को आग के हवाले किया जा रहा है। हिंसा की आग में जल रहे बांग्लादेश में जगह-जगह धुआं उठ रहा है। हिंदुओं की बस्तियों में चीख-पुकार मची है। पूरे देश में दंगाइयों ने आतंक का तांडव मचा दिया है। दंगाइयों ने बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में एक इस्कॉन मंदिर को फूंक दिया। एक काली मंदिर में भी तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी। हिंदुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार की घटनाओं के बाद भी विपक्ष ने बेशर्मी का चोला धारण कर रखा है। इंडी गठबंधन के किसी एक भी नेता ने हिंदुओं पर हो रहे हमले की खुलकर निंदा नहीं की। उलटे इन राजनीतिक दलों के समर्थक और सोशल मीडिया की टीमें ऐसे संदेश लगातार प्रसासित और प्रचारित कर रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की खबरें फर्जी हैं। ऐसी खबरें तो देश की जनता को भड़काने के लिए स्वयं हिंदूवादी संगठन फैला रहे हैं। बेशर्मी की हद तक इनकी राजनीति गिर चुकी है। वहीं बांग्लादेश में तख्ता पलट की घटना के बाद से ही सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज की बाढ़ सी आ गई, जिसमें धमकी भरे अंदाज में समझाया गया कि देश की जनता तानाशाह का तख्तापलट कर देती हैं। डरा नहीं रहा हूं, बस बता रहा हूं। इस पूरे मामले में देश की सबसे पुराने और सबसे ज्यादा शासन करने वाले दल कांग्रेस की चुप्पी हैरानी से ज्यादा चिंता का विषय है। 2024 के चुनाव में जिस तरह कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल दलों ने मुस्लिम तुष्टिकरण को हवा दी,उससे आने वाले समय में हिंदुओं की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। इंडी गठबंधन के किसी भी नेता ने यहां तक कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी तक ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर एक शब्द बोला और सोशल मीडिया पर लिखा नहीं। मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दल और नेता हिंदुओं से जुड़े हर मुद्दे पर प्रायः चुप्पी साध लेते हैं। बांग्लादेश में जो भीड़ अत्याचार कर रही है, वो मुस्लिम है। उनके निशाने पर हिंदू जनता और उनके मंदिर, दुकान और घर हैं। बावजूद इसके बड़ी बेशर्मी से ऐसे दलों के चेहते पत्रकार, यू टयूबर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर मुस्लिम आतंकियों, दहशतगर्दों और हिंसक भीड़ का समर्थन करते दिखाई देते हैं। इन आतंकियों, उपद्रवियों और गिरी मानसिकता वाली भीड़ को आंदोलनकारी साबित करने में जुटे हैं। वैसे भी इनके लिए आतंकी साहब, मासूम और राह भटके हुए युवा ही होते हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी दशकों से हिंदू समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न जारी है, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में हिंदू आबादी में तेजी से कमी आई है। 1971 में 22 प्रतिशत से घटकर 2022 में हिंदू आबादी 7.9 प्रतिशत हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ बलात्कार, हत्या, हिंदू धार्मिक संस्थानों पर हमले, जमीन हड़पना, जबरन मतांतरण एक सामान्य घटना बन गई थी।

# वक्फ की जमीन अब खिसकने वाली है

**अभिनय आकाश**

सियासी गलियारों में बीते एक हफ्ते से इस बात की सुगबुगाहट तेज हो चली थी कि सरकार वक्फ बोर्ड को लेकर कुछ बड़ा करने वाली है। कहा जा रहा था कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड को लेकर नया बिल लाने वाली है जिसे 40 संशोधन के साथ सदन के पटल पर रखा जाएगा। पहले खबर आई कि इसे पहले राज्यसभा में पेश किया जाएगा। इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई। आरोप प्रत्यारोप का दौर भी चल पड़ा। लेकिन तमान अटकलों, अनुमानों और बयानों के बीच आखिरकार मोदी सरकार ने लोकसभा में वक्फ अमेंडमेंट बिल 2024 पेश कर दिया। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन के लिए एक विधेयक पेश किया। विधेयक, पारित होने पर, सरकार को वक्फ संपत्तियों को विनियमित करने में एक बड़ा अधिकार देगा, और विपक्षी सांसदों ने इसे असंवैधानिक और कठोर बताते हुए विरोध किया। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह विधेयक कठोर और संविधान पर मौलिक हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक समुदायों के बीच धार्मिक विभाजन और नफरत पैदा करेगा।

वक्फ और वक्फ की संपत्तियों को लेकर हिंदुस्तान में गाहे बगाहे चर्चा होती रहती है। आपको वो विवाद भी याद होगा जब ये बहस तेज चल पड़ी थी कि ताजमहल वक्फ संपत्ति है या नहीं। साल 2018 में सुन्नी वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हमारे पास ऐसे कोई सबूत नहीं हैं कि ताजमहल को हमारे नाम किया गया था। लेकिन इसके इस्तेमाल को लेकर ये कहा जा सकता है कि ये वक्फ की संपत्ति है। यदा कदा किसी मुस्लिम धर्म स्थल से जुड़े विवादों में भी सबसे पहले यही तय किया जाता है कि अमुख इमारत वक्फ की है या नहीं? अब तो वक्फ बोर्ड एक्ट में ही बदलाव को लेकर नया बिल लाया गया है। हममें से ज्यादातर लोगों ने वक्फ सुना तो है लेकिन जानते नहीं हैं कि वक्फ होता क्या है? किसी मस्जिद या दूसरे धर्म स्थल के वक्फ होने का मतलब क्या है? क्या वक्फ बोर्ड में तब्दिली का असर मुस्लिम धर्म स्थलों के स्टेटस पर पड़ सकता है। भारत में रक्षा

मंत्रालय और रेलवे के बाद सबसे बड़ा भू-स्वामित्व वक्फ बोर्ड ही है। सबसे ज्यादा जमीन उन्हीं के पास है।

वक्फ अरबी भाषा के वकूफा से बना शब्द है जिसका अर्थ ठहरना होता है। वक्फ एक ऐसी संपत्ति होती है जो जनकल्याण को समर्पित हो। इस्लाम के मुताबिक वक्फ दान का ही एक तरीका है। देने वाला चल या अचल दोनों तरह की संपत्ति दान कर सकता है। यानी एक साइकिल से लेकर बहुमंजिला इमारत कुछ भी वक्फ हो सकता है बशर्ते वो जनकल्याण के मकसद से दान किया गया हो। ऐसे दान दाताओं को वाकिफ कहा जाता है। वाकिफ ये तय करता है कि जो दान दिया गया है उदाहरण के लिए कोई इमारत तो उससे होने वाली आमदनी का इस्तेमाल कैसे होगा। वाकिफ ये तय करता है कि अमूख वक्फ से होने वाली कमाई गरीबों पर ही खर्च हो। मान्यता है कि पैगंबर मोहम्मद के समय 600 खजूरों का एक बाग बनाया गया था जिससे होने वाली आमदनी से मदीना के लोगों की मदद की जाती थी। ये वक्फ के सबसे पहले उदाहरण में से एक है। भारत में इस्लाम के आगमन के साथ ही यहां भी वक्फ के उदाहरण मिलने लगे। दिल्ली सल्तनत के वक्त से वक्फ संपत्तियों का लिखित जिक्र मिलता है। उस जमाने में ज्यादातर संपत्तियां बादशाह के पास होती थी और वही वाकिफ होते थे और वक्फ कायम करते थे।

भारत में मुस्लिम शासन के आगमन के साथ, वक्फ की अवधारणा पेश की गई। इस देश में सम्पूर्ण मुग़ल एवं सल्तनत काल में वक्फ प्रबंधन प्रकृति में बहुत ही धार्मिक रूप से केंद्रीकृत रहा। भारत में वक्फ का इतिहास दिल्ली सल्तनत की शुरुआत से है। जब सुल्तान मुइज़ुद्दीन सैम ग़ौर ने जामा के पक्ष में दो गाँव समर्पित किये। मुल्तान की मस्जिद और उसका प्रशासन शेखुल इस्लाम को सौंप दिया गया। दिल्ली के रूप में भारत में सल्तनत और बाद में इस्लामी राजवंशों का विकास हुआ। मुस्लिम काल के दौरान, फ़िरोज़ शाह तुगलक शासन (1351 से 1388) में वक्फ को संगठित करने के प्रयास किये गये। फ़िरोज़ शाह तुगलक के शासनकाल के दौरान था वक्फनामा (बंदोबस्ती कर्म) बनाने की प्रथा भारत में फली-फूली। इस्लामी स्वर्ण युग के दौरान, वक्फ संस्थाओं ने इस्लामी छात्रवृत्ति और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1954 में केंद्र सरकार ने वक्फ बिल पारित किया था। फिर 1964 में केंद्रीय वक्फ काउंसिल बनी। 1995 में हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड के गठन की इजाजत देने के लिए कानून में संशोधन किया गया। 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने एक्ट में संशोधन कर वक्फ बोर्ड की शक्तियां और बढ़ा दी। इसके अलावा, 1954 और उसके बाद के अधिनियमों के माध्यम से, वक्फ की अवधारणा के माध्यम से वक्फ की परिभाषा में उपयोगकर्ता एवं वक्फ-अलल-औलाद को जोड़ा गया। कौन सी संपत्तियां स्पष्ट रूप से विशेष रूप से इसके लिए समर्पित नहीं की गई हैं धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों को भी वक्फ माना गया है। इस प्रकार, कुछ संपत्तियाँ, जहाँ दिखाने के लिए कोई सबूत नहीं है, एक प्रमाण मात्र से वास्तविक समर्पण को भी वक्फ माना जाता है

इससे पहले भी केंद्र की एनडीए सरकार ने राज्य वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति पर दावा करने के व्यापक अधिकार दिए जाने के बारे में संज्ञान लिया था। ज्यादातर राज्यों में ऐसी संपत्ति के सर्वेक्षण में देरी का भी सरकार ने संज्ञान लिया था। पिछली एनडीए सरकार में वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए निरगानी की प्रक्रिया में डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट को भी शामिल करने पर विचार किया गया था।

प्रस्तावित बिल में सरकार ने 40 संशोधन किए हैं। सच्चर कमिटी ने अपनी सिफारिशों में राजस्व के साथ-साथ वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के मैपिंग की जरूरत पर जोर दिया था। बिल में वक्फ शब्द को कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले और ऐसी संपत्ति के मलिकाना हक वाले व्यक्ति द्वारा स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा। वक्फ संपत्ति उत्तराधिकार में महिलाओं को भी ऐसी संपत्तियों का उत्तराधिकारी बनाने की बात है। वक्फ संपत्तियों के सर्वे के लिए जिला कलेक्टर स्तर अधिकारी फैसला लेगा। वक्फ बोर्ड को अपनी संपत्ति जिला मैजिस्ट्रेट के दफ्तर में रजिस्टर्ड करानी होगी, ताकि संपत्ति का मूल्यांकन हो सके। वक्फ बोर्ड के रेवेन्यू की जांच हो सकेगी।

वक्फ ऐक्ट में बदलाव के लिए लाए जा रहे बिल को लेकर विवाद का सबसे बड़ा बिंदु वक्फ बोर्ड की संपत्ति है। देश में कुल 32 वक्फ बोर्ड हैं। उनके बीच तालमेल के लिए केंद्र सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से सेंट्रल वक्फ काउंसिल बनाया गया। यह वक्फ बोर्डों के कामकाज के मामलों में केंद्र सरकार को सलाह देता है। वर्ष 1995 में वक्फ ऐक्ट में बदलाव भी किया गया और हर राज्य केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड बनाने की मंजूरी दी गई। देश के सभी वक्फ बोर्ड के पास फिलहाल 8 लाख एकड़ जमीन है। साल 2009 में यह संपत्ति 4 लाख एकड़ हुआ करती थी। इन जमीनों में ज्यादातर हिस्सों में मस्जिद, मदरसा और कब्रिस्तान हैं। दिसंबर 2022 तक वक्फ बोर्ड के पास कुल 8,65,644 अचल संपत्तियां थीं। अचल सपंत्ति के लिहाज से देखा जाए तो वक्फ बोर्ड देश में रेल और सेना के बाद तीसरे सबसे बड़े जमीन के मालिक हैं। संशोधन बिल में प्रावधान है कि वक्फ बोर्ड के फैसले के खिलाफ अब हाई कोर्ट में अपील की जा सकती है। यह प्रावधान अब तक नहीं था।

इस संशोधन की तैयारी लोकसभा चुनाव से पहले से ही हो गई थी। कहा जा रहा है कि सऊदी अरब सहित किसी भी इस्लामिक देशों में इस तरह की संस्था को इतनी असीमित शक्तियां नहीं दी गई है। बीजेपी इन संशोधनों को गरीब मुस्लिमों के हक में बता रही है। एक नेता ने कहा कि किसी की संपत्ति को अगर वक्फ क बोर्ड वक्फ की संपत्ति मानता है तो विवाद होने पर फैसला भी वक्फ बोर्ड ही करता है, जिससे गरीब मुस्लिम का हक मारा जाता है। असीमित शक्तियों को कंट्रोल करना गरीबों के हक का फैसला होगा।

**पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय**

## अविशिष्ट-क्रम (भाग-6)

**गतांक से आगे...**

**8-भागवत पुराण**- जिस ग्रन्थ में गायत्री अवलम्बन पूर्वक विस्तार से धर्म का तत्त्व वर्णित हो, तथा वृत्रासुर का वध कहा गया हो वही पुराण भागवत संज्ञक है। जिसका प्रमाण अठारह हजार है।

उक्त लक्षण, उपलब्ध श्रीमद्भागवत और देवी भागवत दोनों में ही सामान्यतया घटित है, श्लोक संख्या भी प्रायः प्रत्येक की अठारह हजार ही है।

**9- अग्नि-पुराण**- ईशान कल्प के वृत्तान्त प्रसङ्ग में अग्नि ने वशिष्ठ को जो उपदेश दिया वही अग्निपुराण है। जिसकी पद्य संस्था सोलह हजार है और वह यज्ञों का फल देने वाला है। वर्तमान अग्निपुराण में उपयुक्त लक्षण एक अंश तक ही पटित होता है। परन्तु पद्यसंख्या प्रायः ठीक है। जान पड़ता है कि वास्तत्रिक अंश लुप्त हो जाने पर इसमें अन्यान्य पुराणों या उपपुराणों का उद्धरण सम्मिलित हो गया है।

**10-स्कन्द पुराण**- जिस ग्रन्थ में षण्मुख (स्कन्द) ने तत्पुरुष कल्प के वृत्तान्त को लक्ष्य करके अनेक चरितों से प्रवृद्ध माहेश्वर धर्मों का प्रतिपादन किया हो उसकी %स्कन्दपुराण% संज्ञा है। इसकी पद्यसंख्या इकासी हजार एक सौ मर्त्यलोक में प्रसिद्ध है। उपलब्ध स्कन्दपुराण में माहेश्वर धर्म प्रतिपादनात्मक लक्षण तो प्रायः घटता है, परन्तु श्लोक संख्या उल्लेख से अधिक पाई जाती है, जिसमें कुछ भाग पुराणान्तर का सम्मिलित हुआ प्रतीत होता है और शेष पश्चात्प्रक्षिप्त जान पड़ता है।

**11- भविष्य-पुराण**- जिस ग्रन्थ में चतुर्मुख ब्रह्मा ने मनु के प्रति अघोर कल्प के वृत्तान्त प्रसङ्ग से सूर्य भगवान् का माहात्म्य वर्णन करते हुये जगत् की स्थिति और भूतग्राम का निर्देश किया हो तथा जिसमें अधिकता से भविष्यत् चरितों का समावेश हो वही भविष्यपुराण है जिसकी पद्यसंख्या चौदह हजार पाँच सी है।

**क्रमशः ...**

# डेंगू निरोधक दिवस

**डॉ. मनीषा शर्मा**

डेंगू बीमारी ऐसा बुखार है जिसे महामारी के रूप में देखा जाता है। वयस्कों के मुकाबले, बच्चों में इस बीमारी की तीव्रता अधिक होती है। डेंगू के सामान्य लक्षण हैं सर दर्द, जोड़ों में मांसपेशियों में और शरीर में दर्द होना, तेज़ बुखार, चिड़चिड़ापन। डेंगू की स्थिति में मृत्युदर लगभग एक प्रतिशत है। यह बरसात के मौसम में तेज़ी से फैलता है। आपको या आपके पड़ोसी को अगर डेंगू बुखार हो जाता है, तो इससे बचने के उपाय अपनायें। सबसे पहले रक्तजांच करायें और अपने आसपास मच्छरों से सुरक्षा के उपाय अपनायें। प्रतिवर्ष '10 अगस्त' को डेंगू के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाने तथा इसके प्रति सचेत रहने के लिए 'डेंगू निरोधक दिवस' मनाया जाता है।

डेंगू मच्छर के काटने से शरीर में फैले वायरस के कारण होता है। यह मच्छरों की मादा प्रजाति एडीज़ के काटने से फैलता है जो प्रायः नालियों और खुली जगहों पर भरे साफ पानी में पनपता है। इसके लक्षण सामान्यतः संक्रमण होने के तीन से चौदह दिनों के भीतर दिखने लगते हैं। अगर तेज बुखार हो जिसमें लगातार सिरदर्द बना रहे। साथ ही उल्टी होने के अलावा मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द बना रहे तो यह डेंगू बुखार हो सकता है। इसमें त्वचा पर लाल रंग के निशान भी पड़ जाते हैं। अगर बुखार की पहचान हो जाए और सही समय पर इलाज शुरू हो तो दो से सात दिनों के भीतर मरीज ठीक हो सकता है। लेकिन कुछ मामले बिगड़ भी जाते हैं। ऐसे मामलों में नाक-मुंह से खून आने लगता है, खून में प्लेटलेट की मात्रा कम हो जाती है और कई बार रक्तचाप खतरनाक रूप से नीचे चला जाता है।

वैसे इस बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित की गई है। यह कई देशों में उपलब्ध है। हालांकि भारत में यह उपलब्ध नहीं है इसलिए हमें बचाव के तरीके अपनाने की ज्यादा जरूरत है। इसके इलाज में मुंह या नसों के जरिए तरल पदार्थ दिया जाता है। कई गंभीर मामलों में खून चढ़ाने की नौबत भी आ जाती है। बुखार कम करने और दर्द से राहत देने के लिए डॉक्टर पैरासिटेमॉल देते हैं। कुछ देशी तरीके भी आजमाए गए हैं। जैसे कच्चे पपीते का सेवन एवं उसकी पत्तियों को उबाल कर पीने से भी लाभ होता है। गिलोय के डंठल को भी उबाल कर उसका काढ़ा पीने से प्लेटलेट बढ़ते हैं। कच्चे नारियल का पानी पीने से भी लाभ होता है।

**बचाव के उपाय**- डेंगू तथा अन्य मच्छर जनित रोगों के बारे में कहा जाता है कि इनका बचाव ही इनका इलाज है। इनके बारे में जनजागरूकता अभियान लंबे समय से चला आ रहा है। इसके बावजूद लोग अपनी लापरवाही के कारण डेंगू के शिकार बन जाते हैं। ऐडीज़ मच्छर को पनपने का मौका नहीं देना चाहिए। जहां-जहां इसके पनपने की संभावना हो वहां पर खासतौर से सफाई करनी चाहिए। पानी कहीं भी खुला न छोड़ें। अगर ऐसा कर पाना संभव न हो तो उसमें कीटनाशक या फिर कोई अन्य ऐसा ही पदार्थ डाल देना चाहिए। लोग मच्छर से अपनी सुरक्षा करें। शरीर को पूरी तरह ढंकने वाले कपड़े पहनने चाहिए।

# पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

**ललित गर्ग**

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में

एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है।

भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पडोसी देशों पर चीन का दबदबा है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं।

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पडोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी। ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर सर्वसम्मति बनना जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है। ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पडोसी देशों में न मिलना ही उनकी अस्थिरता एवं अराजकता का बड़ा कारण है।

## आज का इतिहास

1960 हेरलड्री संस्थान संयुक्त राज्य अमेरिका सेना के जनरल ऑर्डर नंबर 29 के तहत बनाया गया।
1966 अमरीका के अंतरिक्ष अधिकारियों ने केप केनेडी से अंतरिक्ष में रॉकेट उतारने की लिए उपयुक्त स्थान का चित्र लेने हेतु पहला अंतरिक्ष यान भेजा। जो 29 अक्तूबर को चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त होकर तबाह हो गया।
1979 उपग्रह एसएलवी-3 का प्रक्षेपण किया गया।
1981 छह वर्षीय एडम वाल्श के अगवा किए गए सिर को फ्लोरिडा के वेरो बीच में नहर में पाया गया था, जिसने अपने पिता जॉन को पीड़ितों के अधिकारों के लिए वकील बनने के लिए प्रेरित किया, जिससे लापता और बहिष्कृत बच्चों के लिए नैशनल सेंटर के गठन में मदद मिली।
1988 जापानी अमेरिकी इंटर्नमेंट-द सिविल लिबर्टीज एक्ट 1988 के कानून में, प्रत्येक जीवित बचे व्यक्ति को पुनर्वित्त में .20,000 का अधिकार दिया गया।
1990 मैगलन अंतरिक्ष यान पृथ्वी से 15 महीने की लंबी यात्रा के बाद शुक्र ग्रह की अपनी कक्षा शुरू करता है। अंतरिक्ष यान ने अगले चार वर्षों में शुक्र की मैपिंग की, और अधिकांश ग्रह का सटीक नक्शा तैयार किया।
1990 नासा के मैगलन अंतरिक्ष जांच के प्रक्षेपण के पंद्रह महीने बाद सतह पर मानचित्र बनाने के मिशन पर शुक्र पहुंच गया।
2003 यूरी मालेनचेंको पहले ऐसे व्यक्ति बने जिन्होंने अंतरिक्ष में शादी रचाई थी।
2005 याहू इंक अपने स्वयं के चीन परिचालनों के हस्तांतरण के अलावा, लगभग यूएस .1 बिलियन का भुगतान करने के लिए एक सौदा कर रहा है, बदले में 35त्न इक्विटी हिस्सेदारी के लिए;
2006 स्कॉटलैंड यार्ड का कहना है कि आतंकवादियों ने ब्रिटेन से अमेरिका के लिए उड़ान में विमानों को नष्ट करने की योजना को बाधित किया है। पाकिस्तान की खुफिया सेवा की रिपोर्ट है कि ब्रिटिश खुफिया विभाग के साथ उसके काम ने साजिश का खुलासा करने में मदद की। सीएनएन का कहना है कि सूत्रों ने जानकारी दी है कि यह पाकिस्तान में नवीनतम गिरफ्तारियां थी, जिसने ब्रिटेन को तेजी से कार्रवाई करने के लिए राजी किया।
2007 अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के साथ डॉक करने के बाद नासा द्वारा अंतरिक्ष यान, एंडेवर के पेट में नुकसान देखा गया है।
2009 एक अच्छा 350 नया चश्मा जिसमें 244 पौधे और 16 उभयचर शामिल हैं जो पूर्वी हिमालय में खोजे गए हैं।
2013 एथलेटिक्स में 2013 विश्व चैंपियनशिप मास्को में शुरू होती है।

# निरंकुशता के कारण हसीना का निष्कासन

**ललित गर्ग**

बांग्लादेश में जनभावना को दबाने एवं अनसूना करने से पनपे विद्रोह, आक्रोश एवं विरोध की निष्पत्ति है शेख हसीना सरकार का पतन। लम्बे समय से चला आ रहा आरक्षण विरोधी आंदोलन का आक्रोश उग्रतम होता गया, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी। हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह एवं निरंकुश बनना बड़ा कारण रहा। जनभावनाओं को कुचला जाना एवं अनसूना करने के कारण ही हसीना आनन-फानन देश छोड़कर भारत आने के लिए विवश होना पड़ा। उससे यही पता चलता है कि हालात किस कदर उनके खिलाफ हो गए थे। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि उनका इस्तीफा मांग रहे बगावती प्रदर्शनकारियों ने उनके सरकारी आवास में घुसकर तो तोड़फोड़ की ही, उनके पिता एवं बांग्लादेश के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले शेख मुजीब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के साथ उनके नाम पर बने एक संग्रहालय को भी जला दिया। बांग्लादेश बेहाल हो गया, हिंसक एवं अराजक घटनाएं कहर बन कर हसीना के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा रही थी। जैसी आशंका थी, शेख हसीना के पलायन करते ही सेना ने सत्ता संभाल ली और मिली-जुली अंतरिम सरकार बनाने की घोषणा की। शायद सेना इसकी तैयारी पहले से कर रही थी। भारतीय उपमहाद्वीप के श्रीलंका, नेपाल के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति भारत सरकार को सतर्क एवं सावधान रहने के साथ अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है।

जब-जब जिन-जिन देशों में जनता की आवाज को दबाया गया, एक विस्फोटक स्थिति बनी, क्रांति का शंखनाद हुआ। मान्य सिद्धान्त है कि आदर्श ऊपर से आते हैं, क्रांति नीचे से होती है। बांग्लादेश में क्रांति एवं विद्रोह का कारण भी यही स्थिति बना कि ऊपर से आदर्श की स्थितियों पर धुंधलका छाने लगा तो क्रांति नीचे से होने लगी, बांग्लादेश हिंसा की आग में झुलसने लगा, आगजनी, तोड़फोड, हिंसक प्रदर्शनों में सैकड़ों लोग मारे गये, सरकारी सम्पत्ति का भारी नुकसान हुआ। वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश एवं जनता के विद्रोह को हल्के में लिया। वास्तव में हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायी। आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिये की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया। जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव एवं घाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

चूंकि शेख हसीना ने अपने लंबे शासनकाल में बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान की और उसे आगे बढ़ाया, इसलिए उनकी सत्ता को कोई खतरा नहीं दिख रहा था, लेकिन कुछ समय पहले आरक्षण के खिलाफ छात्रों की ओर से शुरू हुआ आंदोलन उनके लिए मुसीबत बन गया। इस आंदोलन को शीघ्र ही शेख हसीना के सभी विरोधियों और साथ ही ऐसे कट्टरपंथी संगठनों ने भी समर्थन दे दिया, जो पाकिस्तान की कठपुतली माने जाते हैं। इसके चलते आरक्षण विरोधी आंदोलन सत्ता परिवर्तन के हिंसक अभियान में बदल गया। निश्चित ही पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रही। शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आई, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है। इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर-तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया। जिसका अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी अच्छा संदेश नहीं गया। तभी पिछले महीनों में अपनी सरकार के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु शेख हसीना ने भारत व चीन की यात्रा की थी। हालांकि, इस दौरान देश में स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थी। बीजिंग और नई दिल्ली के बीच संतुलन साधने की शेख हसीना की नीति से चीन भी उनसे रुष्ट था और इसी कारण उन्हें हाल की अपनी चीन यात्रा बीच में छोड़कर लौटना पड़ा था। इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं।

हालांकि, शेख हसीना के खिलाफ उपजे आक्रोश के मूल में तात्कालिक कारण अतार्किक एवं असंगत आरक्षण ही रहा, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल व उनके आनुषंगिक संगठन सरकार को उखाड़ने के लिये बाकायदा मुहिम चलाये हुए थे। दरअसल, वर्ष 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान के दमनकारी शासन से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी के रिश्तेदारों के लिये उच्च सरकारी पदों वाली नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण का विरोध छात्रों ने किया। उनका तर्क था कि उनकी कई पीढ़ियां आरक्षण का लाभ उठा चुकी हैं, फलतः बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। लेकिन इस आंदोलन को हसीना सरकार ढंग से संभाल नहीं पायी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया था, लेकिन सरकार इस संदेश को जनता में सही ढंग से नहीं पहुंचा सकी। फिर छात्र नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को उग्र बना दिया। जनाक्रोश के चरम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आक्रामक भीड़ ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तक को तोड़ दिया। निस्संदेह, सत्ता से चिपके रहने के लिये किए जाने वाले निरंकुश शासन की परिणति जनाक्रोश एवं जनान्दोलन के चरम के रूप में सामने आता ही है।

ताजा घटनाक्रम एवं हिंसक आंधी श्रीलंका में 2022 के विरोध प्रदर्शन की याद ताजा कर गया, जिसमें वहां राजपक्षे बंधुओं को सत्ता से उतरकर विदेश भागने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, फिलहाल बांग्लादेश में सेना ने कमान अपने हाथ में ली है लेकिन आने वाली सरकार को उच्च बेरोजगारी, आर्थिक अस्थिरता, मुद्रास्फीति जैसे ज्वलंत मुद्दों का समाधान करना होगा। नयी व्यवस्था एवं सोच में व्यापक सकाकरात्मक परिवर्तन हो, विदेशी ताकतों विशेषतः पाकिस्तान की कठपूतली बनने से बचना होगा। हालांकि, भारत के हसीना सरकार से मधुर संबंध थे, भारत बांग्लादेश का सबसे करीबी, सहयोगी और दुख के दिनों का साथी रहा है। शेख हसीना बांग्लादेश के बंग बंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। 1975 में परिवार के ज्यादातर सदस्यों के साथ एक सैन्य तख्तापलट में उनकी मौत हो गई थी। लेकिन शेख हसीना और उनकी बहन रेहाना उस वक्त जर्मनी में थी। इसलिए जिंदा बच गई थी। तब तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने शेख हसीना और उनकी बहन को भारत बुलाया था एवं संरक्षण प्रदान किया था। लेकिन हालिया उथल-पुथल को देखते हुए हमें अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। पाकिस्तान परस्त बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी की आसन्न वापसी भारत के लिये सावधान होकर अग्र-स्थितियों पर गंभीरता से ध्यान देने की है। बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस देश के अंतरिम प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि शेख हसीना का विरोध कर रहे छात्रों ने मोहम्मद यूनुस के नाम का समर्थन किया है। शेख हसीना और यूनुस का आपस में बहुत तनाव रहता था। अब यूनुस से उम्मीद की जा रही है कि वह देश को स्थिरता की ओर ले जा सकते हैं। भारत पडोसी देश के नाते बांग्लादेश में स्थिरता, शांति एवं सौहार्दपूर्ण स्थितियों की कामना करता है।

## बांग्लादेश हिंसा : हैरानी में डालती है विश्व समुदाय की खामोशी

**प्रवीण बागी**

पड़ोस के बांग्लादेश में दंगाई हिंसा का नंगा नाच कर रहे हैं और पूरा विश्व खामोशी से तमाशा देख रहा है। हस्तक्षेप करना तो दूर शांति की एक अपील तक किसी ने नहीं की! बांग्लादेश की सेना और पुलिस दंगाईयों को संरक्षण दे रही है, वहां की हिंसा 1971 के पाक सेना के अत्याचार और व्यभिचार की याद दिला रही है। तब पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) पाकिस्तान से मुक्ति की लड़ाई लड़ रहा था। उस समय भारत ने अपनी सेना नहीं भेजी होती तो बांग्लादेश का कोई नामलेवा भी नहीं बचता। पाक सेना गाजर मूली की तरह बंगाली मुसलमानों को काट रही थी। उनकी महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म खुलेआम किए जा गए थे। उस रेप से जन्में बच्चों की एक पूरी फौज वहां खड़ी हो गई थी। कहीं वे पाक के इशारे पर ऑपरेट तो नहीं कर रहे? प्रधानमंत्री के सरकारी आवास गणबंधन में घुसकर दंगाईयों ने शेख हसीना के अंतर्वस्त्रों का जिस तरह से सार्वजनिक प्रदर्शन किया, ऐसे ही प्रदर्शन बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय पकिरतानी सेना किया करती थी। यह साम्यता अनायास तो नहीं है? इस उपद्रव के तार कहां से जुड़े हैं, इस वाकए से स्पष्ट हो जाता है ? दरअसल, जिस मुजीबुर्रहमान (शेख हसीना के पिता) की अगुवाई में बंगाली मुसलमानों ने पाकिस्तान से लड़कर बांग्लादेश बनाया, ढाका में लगी उनकी मूर्ति को भीड़ ने गिरा दिया। उस भीड़ में कौन थे? इतना तो तय है कि वे बांग्लादेशी नहीं हो सकते, तभी अपने राष्ट्रपिता की मूर्ति से इस तरह की बदसलूकी की गई। इसके पीछे दंगाईयों की बंगबंधु के प्रति घृणा साफ झलकती है। मंदिरों को जलाने और हिंदुओं की हत्या हिंदुस्तान के प्रति उनकी नफरत दर्शाती है। यह नोट करने लायक है कि किसी मस्जिद या चर्च पर हमले नहीं हुए। ढाका के मशहूर हिंदू सिंगर राहुल आनंद के घर में पहले लूटपाट की गई फिर उसे आग के हवाले कर दिया। उनका घर 140 साल पुराना था। यानी वह घर तब बना था जब भारत अखंड था। विभाजन नहीं हुआ था। बांग्लादेश के निर्माण में हिंदुओं और हिंदुस्तानियों का भी खून बहा था, फिर हिंदू और हिंदुस्तान के प्रति इतनी घृणा समझ से परे है। यह किसी बड़ी साजिश की कहानी कहती है। भारत सरकार को यूएनओ के माध्यम से तुरंत बांग्लादेश की हिंसा रुकवाने के लिए पहल करनी चाहिए। दंगाईयों को हिंदुओं का कत्लेआम रोकने की चेतावनी देनी चाहिए। जरूरत पड़े तो प्रभावी हस्तक्षेप करने से भी पीछे नहीं हटना चाहिए। भारत के मुस्लिम संगठनों/ नेताओं को भी आगे बढ़कर शांति की अपील करनी चाहिए। आतंकी संगठन हमास के पक्ष में मुस्लिम संगठन भारत में सड़कों पर उतरे थे, तो निरीह हिंदुओं की हत्या पर क्यों चुप हैं? सबसे हैरानी हिंदू संगठनों की खामोशी पर होती हैं। विरोध प्रदर्शन तो किया ही जाना चाहिए।

## बदलाव से निकलेगा सुक्खू का रास्ता

**डा. रचना गुप्ता**

प्राकृतिक आपदा ही नहीं, अनेक आपदाओं से उबरी, हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस 'सुक्खू' सरकार स्थिर है। पर अब अगली चुनौती वित्तीय स्थिरता बनाए रखने की है। इस सरकार की हिमाचल में सत्ता के डेढ़ वर्ष के दौरान कई राजनीतिक तूफान आए और 'इत-उत' डोलती सरकार सही ढंग से काम नहीं कर पाई। यही कारण रहा कि न तो प्रशासन ने, न ही खुद विधायकों ने भी सरकार की कारगुजारी को गंभीरता से लिया। कुर्सी बचाने और रूठों को मनाने की कवायद में कांग्रेस अंततः बाजी मार गई। वहीं विपक्ष में बैठी भाजपा ने एक राज्यसभा सीट प्राप्त करने के चक्कर में अपना काफी नुकसान झेल लिया। चाहे गत वर्ष की भयानक प्राकृतिक आपदा प्रदेश में आई हो या फिर राज्यसभा सीट पर चुनावों में अपनों के ही 'सुक्खू' को आंखें दिखाने का मामला हो, या फिर लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा उप-चुनाव हो, यह सभी 'सुक्खू' की अग्नि परीक्षा थे और इसमें वह अपनी पत्नी को विधानसभा पहुंचाने के साथ ही हारी बाजी जीत गए।

हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में यह पहला मौका था जब उप-चुनावों की आंधी में किसी को आपदा में ही अवसर मिल गया। यह राजनीतिक आपदा, कांग्रेस के बागियों समेत कई उछल रहे उत्साहित नेताओं को ऐसा सबक दे गई जो देव भूमि की सादगी परम्पराओं से कतई खिलवाड़ न होने का साफ संदेश था। अब स्थिर सरकार को आंधी से उखड़े राजनीतिक आशियानों का कीचड़ साफ करने का वक्त सामने है। प्रदेश की आर्थिक हालत सरकार की चिंता का बड़ा सबब तो है ही वहीं कर्मचारियों, बागवानी व पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए भी खराब वित्तीय स्थिति, परेशानी पैदा करने वाली है। इसी खतरे को भांप कर राज्य में सुक्खू की कांग्रेस सरकार कड़वे फैसले ले रही है। या यूं कहें कि अव्यावहारिक फैसलों को व्यावहारिक बना रही है।

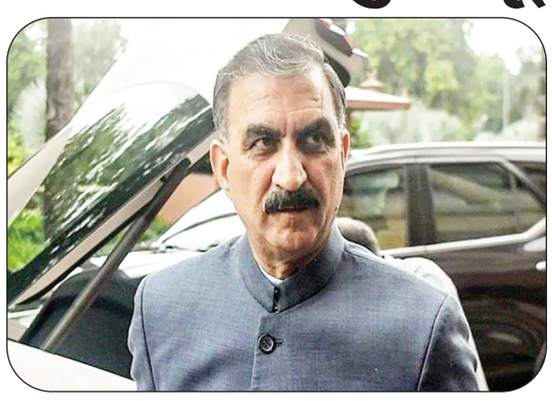

हिमाचल न तो गरीब राज्य है न ही यहां भुखमरी जैसी नौबत है। लेकिन यहां लोग निजी या पर्यटन व्यवसाय से ज्यादा सरकारी नौकरी की आरामगाह पाना चाहते हैं। बस यहीं से बिछती है राजनीतिक बिसात। यानी कर्मचारियों का पार्टियों पर प्रभाव। राज्य में कांग्रेस सरकार पैंशन व बटुआ भत्ते के मुद्दों पर सत्तासीन हुई थी लेकिन पैंशन, वेतन, भत्ते इतने भारी हो गए कि विकास के कामों में प्रश्नचिन्ह लग गया। ऊपर से आपदा का कहर। इंक्रीमैंट, एरियर के भुगतान की लम्बी फेहरिस्त और कर्ज पे कर्ज। कुल मिलाकर घोर कंगाली। अब सुक्खू सरकार के कड़वे फैसले लेना लाजिमी है। पैंशन के चक्कर में बिजली भी हाथ से गई और बसों में थैलों का किराया लगा, सो अलग। इन सभी किफायतों से इतर सरकार इस कोशिश में है कि जंगल से बिजली से हिमाचल में करोड़ों रुपयों की धन वसूली की जाए। इसके लिए बिजली व वन सलाहकारों ने मजबूत वायदे भी किए हैं, लेकिन केंद्र की सरकार विरोधी दलों की सरकार की पैरवी मानेगी, यह कठिन प्रतीत होता है।

ऐसे में कांग्रेस सरकार की दो मुश्किलें आने वाले समय में बढ़ सकती हैं। पहली, पैंशन का अधूरा वायदा पूरा होने की। यानी बोर्डों, निगमों, संवैधानिक संस्थानों में पैंशन न मिलने की नाराजगी, जिन विभागों में मिलेगी उनको देने की पेचीदगी, एरियर न दे पाने की स्थिति। दूसरी, मुफ्त की आदत वाली स्कीम पर नकेल कसना। 'फ्री' बिजली बंद, 'फ्री' यात्रा बंद, 'फ्री' का पानी बंद, यह बंद होंगे तो वहीं से निकलेगा 1500 रुपए बटुए में जाने का रास्ता। वैसे चर्चा है कि पार्टी मैनीफैस्टो में फ्री देने की बात तो थी परन्तु फ्री को बंद करने की बात नहीं थी। बस इन्हीं फैसलों से सुक्खू सरकार को राजनीतिक दिक्कत आ सकती है जिसे भाजपा बाखूबी भुनाएगी न केंद्र हिमाचल पर रहम करेगा, न ही कांग्रेस विशेष बजट ला सकेगी।

कुल मिलाकर आधे दशक के अव्यावहारिक फैसलों पर सुक्खू की कैंची चलेगी, तो चुटकी में आर्थिक हालत तो नहीं सुधरेगी, पर इसे एक कदम सुधार का माना जा सकता है। 50 वर्षों का व्यवस्था परिवर्तन, पांच वर्ष में होना असंभव है जब तक ठोस नीतियां धरातल पर नहीं होंगी। फिर चाहे टूरिज्म से स्वावलंबन की राह हो, या फिर प्रदेश के लोगों के लिए रोजगार व्यवस्था, या कृषि, बागवानी व पशुपालन में त्वरित सुधार व बदलाव। यदि भावी योजनाओं को प्रशासनिक मजबूती से चलाया जाए, तो अगले पांच वर्ष में व्यवस्था परिवर्तन दिखेगा। जैसे तय किया जाना चाहिए कि 5 वर्ष में पर्यटन निगम के सभी होटल लाभ में होंगे या स्कूलों व कालेजों में कौशल व्यवसाय से जुड़े अध्यापक मौजूद हों।

पटवारी व कांस्टेबल भर्ती की दौड़ न हो। हर घर स्वस्थ हो, हर घर में पेयजल हो। घर-घर का रास्ता सुरक्षित हो। यह बुनियादी बदलाव होंगे तो कुछ भी बंद करने की नौबत नहीं आएगी। व्यवस्था परिवर्तन के लिए 'बंद' की जगह बदलाव का फार्मूला लागू हो। इसी तरह ही स्थिर सुखविंद्र सिंह सुक्खू प्रदेश में वित्तीय स्थिरता के साथ राजनीतिक स्थिरता की राह निकाल सकेंगे लेकिन राजनीतिक कदम कहां रुकेंगे, यह देखना होगा।

## जाति को धर्म से जोड़ने से असमानता बढ़ती है

**जूलियो रिबैरो**

अब जबकि राहुल गांधी ने पूर्णकालिक राजनीतिज्ञ बनने का फैसला कर लिया है, तो वे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को चुनौती दे सकते हैं। मोदी और संघ परिवार की सांप्रदायिक राजनीति का मुकाबला करने के लिए जाति की राजनीति का उनका विकल्प, मेरे विचार से, एक खतरनाक कदम है। देश की 2 मुख्य बुराइयों, सांप्रदायिकता और भ्रष्टाचार के साथ जातिवाद को जोडना हमारे देश को आगे बढने से रोकेगा और निश्चित रूप से एक खतरनाक कदम है। जबकि स्थानक भ्रष्टाचार नैतिक ताने-बाने को कमजोर करता है, सांप्रदायिकता और जातिवाद एकता के खिलाफ है जो भारत को गरीबी, अशिक्षा और सामंती मानसिकता के खिलाफ एक के रूप में खड़ा करने के लिए आवश्यक है जो वर्तमान में राष्ट्रीय मानस में व्याप्त है।

धार्मिक और जातिगत पहचान निकट भविष्य में गायब नहीं होने वाली है। यह भारत में जीवन का एक तथ्य है, जो सदियों से है। ग्रामीण भारत में, जहां हमारे आधे से अधिक लोग रहते हैं, जाति दैनिक अस्तित्व का एक कारक है। शहरी भारत में जहां बातचीत अनिवार्य रूप से अवैयक्तिक जाति है और यहां तक कि धार्मिक पहचान भी धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खो रही है। मैं एक ऐसी इमारत में रहता हूं जिसमें 20 फ्लैट मालिक अलग-अलग धर्मों, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई (मैं) से संबंधित हैं; अलग-अलग जातियां ब्राह्मण, एस.सी. और ओ.बी.सी., राजपूत, खत्री, कायस्थ हैं। वे भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, पंजाब, यू.पी., तमिलनाडु, तेलंगाना, गुजरात, गोवा से हैं। हम सभी एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छे से मिलते हैं, साल में एक बार इमारत की छत पर एक साथ खाना खाते हैं और पोते-पोतियों के बीच झगड़े को सुलझाते हैं, उन्हें अपने झगड़े खुद सुलझाने के लिए कहते हैं।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, भारतीय होने की भावना दुखद रूप से खत्म होती जा रही है। पहले तो चुनावों के समय हिंदू-मुस्लिम विभाजन को बढ़ावा दिया गया और अब विपक्षी दलों द्वारा चुनावी लाभ के लिए जाति के आधार पर बहुसंख्यक हिंदुओं को और

अधिक विभाजित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह धार्मिक आधार पर विभाजन की तरह ही विनाशकारी साबित होने जा रहा है।यदि भारत को धार्मिक और जातिगत आधार पर विभाजित और कमजोर करना पर्याप्त नहीं था, तो सुप्रीम कोर्ट ने 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ के 6 में से 1 के फैसले में अपने ही 2004 के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि सभी अनुसूचित जातियां एक समरूप निकाय का गठन करती हैं।

2024 के सुप्रीम कोर्ट के बहुमत के फैसले, जिसमें सी.जे.आई. भी शामिल थे, ने तर्क दिया कि एस.सी. की श्रेणियां, जिन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिला है, उनके साथ अब अलग से व्यवहार किया जाना चाहिए ताकि जिस सिद्धांत पर आरक्षण की कल्पना की गई थी, उसे बरकरार रखा जा सके। यह निर्णय भारतीय नागरिकों को और विभाजित करेगा और उन उप-जातियों से समावेश की मांग को जन्म देगा, जिनके अस्तित्व के बारे में अधिकांश नागरिकों को पता ही नहीं था। 5 साल पहले, कोविड के आने से ठीक पहले, नहाने के दौरान गिरने से मेरी फीमर की हड्डी टूट गई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि मुझे अपने दैनिक शारीरिक कामों में मदद के लिए एक पूर्णकालिक युवक की जरूरत थी। वह बिहार का दलित था, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों से ठीक पहले मुझे पता चला कि वह एक 'महादलित' था, एक ऐसी श्रेणी जिसके बारे में मुझे जानकारी नहीं थी। महाराष्ट्र में भी ऐसे उपेक्षित तत्व हो सकते हैं। जो भी हो, अनुसूचित जातियों की इन वंचित उप-जातियों की उपस्थिति, जो स्पष्ट रूप से देश के उत्तर में काफी संख्या में हैं, को सर्वोच्च न्यायालय ने नोट किया है।

न्यायालय ने सही ही माना है कि उन्हें भी आरक्षण का हिस्सा दिया जाना चाहिए। न्यायालय के आदेश का अनुपालन आसान नहीं होने वाला है। राजनीति में इस और विभाजन के राजनीतिक नतीजों का आकलन करना और भी मुश्किल होगा। पिछले शनिवार को मुंबई में के.ई.एस. (कांदिवली एजुकेशन सोसाइटी) कॉलेज ऑफ लॉ ने मुझे अपने छात्रों से ऑनलाइन बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया। मैंने छात्रों द्वारा पूछे गए कई सवालों के जवाब दिए। उनमें से कई कॉलेज में दाखिले और सरकारी नौकरियों में आरक्षण से संबंधित थे। मैंने सकारात्मक कार्रवाई के पीछे के तर्क को समझाया, लेकिन मैं सदियों पुराने अन्याय को सुधारने और आम आदमी को मिलने वाली सेवाओं के उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता के मिश्रण को सही ठहराने में असमर्थ था। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस से लेकर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा तक सभी राजनीतिक दलों ने शिक्षा और स्वास्थ्य की उपेक्षा की है, जो एक सफल समाज की नींव हैं।

हाल ही में, राहुल गांधी ने सरकार द्वारा की गई किसी कार्रवाई की आलोचना करने के कारण अपने परिसर पर ई.डी. के छापे की भविष्यवाणी की थी। उन्हें ऐसी गिरफ्तारी पर रातों की नींद नहीं खोनी चाहिए। यह सरकार पर उलटा असर डालेगा। इससे उनकी धीरे-धीरे बढ़ती लोकप्रियता बढ़ेगी, इसमें थोड़ी तेजी आएगी। लेकिन अगर ई.डी. जाति के मुद्दे को उठाने के कारण छापे का मामला बनाती है तो मैं उनका बचाव नहीं करूंगा।

## सार्वजनिक जीवन में सादगी की मिसाल थे बुद्धदेव

**प्रसेनजीत बोस**

एक दशक से अधिक समय तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री तथा ज्योति बसु के नेतृत्व में गठित वाम मोर्चे की पांच में से चार सरकारों में कैबिनेट मंत्री रहे बुद्धदेव भट्टाचार्य ने जिन गुणों का प्रदर्शन किया, वे अब सत्ताधारियों में मुश्किल से मिलते हैं। सार्वजनिक जीवन में वे शुचिता का पर्याय बनकर स्थापित हुए। सत्ता में रहते हुए और जीवन के अंतिम पलों तक एक सामान्य दो कमरे के अपार्टमेंट में उनका निवास रहा। अपनी पीढ़ी के बहुत से लोगों की तरह बुद्धो दा साठ और सत्तर के दशक में छात्र-युवा राजनीति में भागीदारी के जरिये साम्यवादी राजनीति की ओर आकर्षित हुए। वे सीपीएम की युवा इकाई के नेता थे और उनके राजनीतिक गुरु प्रमोद दासगुप्ता थे। वे वाम मोर्चे की पहली सरकार में 1977 में सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री के रूप में शामिल हुए। तब उनकी आयु 33 साल थी। वे उन बहुत थोड़े नेताओं में थे, जो 1982 को छोड़कर वाम मोर्चे की सभी सरकारों का हिस्सा रहे। उस वर्ष वे मामूली अंतर से चुनाव हार गये थे। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में वे हमेशा ईमानदारी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति बने रहे। साल 1993 में उन्होंने कुछ गलतियों के विरोध में वाम मोर्चा सरकार से इस्तीफा दे दिया था। ज्योति बसु के मनाने पर कुछ महीने बाद वे फिर से मंत्री बने। उस दौरान बुद्धो दा ने एक बंगाली नाटक लिखा, जिसमें उन मूल्यों के पतन पर विचार किया गया है, जो वाम आंदोलन ने कभी अपनाया था। अपनी पीढ़ी के नेताओं में वे सबसे अधिक साहित्य, कला एवं संस्कृति के परिवेश से जुड़े हुए थे। असंतुष्ट साहित्य से जुड़ाव तथा सोवियत संघ के पतन के अनुभवों कारण ही वे अनेक मार्क्सवादी-लेनिनवादी धारणाओं पर सवाल उठाते थे। उनकी शुचिता और शासन चलाने के अपरंपरागत शैली के कारण उन्हें अपार लोकप्रियता मिली, विशेषकर युवाओं में, जो वाम मोर्चे की सरकारों के दौर में पले-बढ़े थे। बतौर मुख्यमंत्री, उन्होंने अपना पूरा ध्यान बेरोजगारी की समस्या दूर करने पर लगाया, जिसकी वजह से बड़ी तादाद में युवा पलायन के लिए मजबूर हो रहे थे। उन्हें बहुत जनसमर्थन मिला, जिसके कारण 2006 में ऐतिहासिक चुनावी जीत हासिल हुई। उसके बाद इतिहास ने दूसरा रास्ता अपनाया। औद्योगीकरण की उनकी रणनीति तथा उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण से व्यापक विवाद पैदा हुआ। पश्चिम बंगाल में 34 साल के वाम मोर्चे के शासन के दौरान पैदा हुए असंतोष ने भी उसमें योगदान दिया। परिणाम यह हुआ कि 2011 में वाम मोर्चे के शासन का अंत हो गया। इस जनादेश को बुद्धो दा ने विनम्रता से स्वीकार किया और कुछ समय के बाद वे सार्वजनिक जीवन से अलग होते गये। बाद में उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी लगातार सामना करना पड़ा। उनके नेतृत्व की वाम मोर्चे की आखिरी सरकार द्वारा किये गये सही और गलत कामों को लेकर अलग-अलग मत आज तक बरकरार हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण तथा युवाओं के लिए राज्य के भीतर रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध कराने का उनका अधूरा सपना अभी भी बेहद प्रासंगिक बना हुआ है। पश्चिम बंगाल में वंचित वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के उल्लेखनीय प्रयास उनके द्वारा किये गये। उन्होंने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को बढ़ाया तथा सच्चर कमिटी और रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्टों के आने के बाद इसमें अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के एक अहम हिस्से को शामिल करने के प्रावधान किये। इस प्रगतिशील नीति को वाम मोर्चे के बाद सत्ता में आयी तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने कानून का रूप दिया। उस कानून को हाल में उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया है। दिवंगत बुद्धदेव भट्टाचार्य भारत के धर्मनिरपेक्ष और गणतांत्रिक संवैधानिक व्यवस्था की सुरक्षा के प्रति गहरे रूप से प्रतिबद्ध थे। साल 2019 के लोकसभा चुनाव के समय गंभीर बीमारी के बावजूद उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता से यह निवेदन किया था कि लोग तृणमूल कांग्रेस के कुशासन के गर्म तवे से भाजपा द्वारा लगायी गयी सांप्रदायिक आग में छलांग न लगायें। राज्य की जनता ने 2019, 2021 या 2024 में वह छलांग नहीं लगायी, लेकिन जिस मोर्चे का नेतृत्व बुद्धो दा ने 2011 तक किया, उसके उभार का अभी भी इंतजार है। इस उभार को देखकर वे सबसे अधिक प्रसन्न होते।

File Photo AP

गहरी जड़ वाली फसल के बाद उथली जड़ वाली फसल- इस क्रम से फसलों को बोने से भूमि के विभिन्न स्तरों से पोषक तत्वों का समुचित उपयोग हो जाता है। अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल- खेत में लगातार अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाते रहने से मिट्टी जल स्तर ऊपर आ जाएगा। पौधों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है एवं अन्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं।

# खेती की एंटीबायोटिक फसलें

## फसल चक्र का तरीका

प्रायः फसल चक्र एक से लेकर तीन वर्ष तक के लिए तैयार किया जाता है। अतः फसल चक्र अपनाते समय निम्न सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिए।

दलहनी फसलों के बाद अदलहनी फसलें- दलहनी फसलों की जड़ों में ग्रंथियां पाई जाती हैं जिनमें राइजोबियम जीवाणु पाये जाते हैं। ये जीवाणु वायुमण्डलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं जिससे भूमि की उर्वराशक्ति में वृद्धि होती है जो कि आगे बोई जाने वाली फसलों के लिए उपयोगी होती है।

गहरी जड़ वाली फसल के बाद उथली जड़ वाली फसल- इस क्रम से फसलों को बोने से भूमि के विभिन्न स्तरों से पोषक तत्वों का समुचित उपयोग हो जाता है।

अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल- खेत में लगातार अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाते रहने से मिट्टी जल स्तर ऊपर आ जाएगा। पौधों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है एवं अन्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं।

अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसल के बाद कम पोषक तत्व चाहने वाली फसल- अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसलें लगातार एक ही भूमि में लगाते रहने से भूमि की उर्वराशक्ति का ह्रास शीघ्र हो जाता है एवं खेती की लागत बढ़ती चली जाती है। अतः अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसलों के बाद कम पोषक तत्व चाहने वाली फसलों को उगाना चाहिए।

अधिक कर्षण क्रियायें या भूपरिष्करण चाहने वाली फसल के बाद कम क्रियायें चाहने वाली फसल- इस प्रकार के फसल चक्र से मिट्टी की सरंचना ठीक बनी रहती है एवं लागत में भी कमी आती है। इसके अलावा निराई-गुड़ाई में उपयोग किये जाने वाले संसाधनों का दूसरा फसलों में उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

दो तीन वर्ष के फसल चक्र में खेत को एक बार खाली या पड़त छोड़ा जाये- फसल चक्र में भूमि को पड़त छोड़ने से भूमि की उर्वरता में हो रहे लगातार ह्रास से बचा जा सकता है। परती मिट्टी में नाइट्रोजन अधिक मात्रा में पायी जाती है। अतः अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसल से पूर्व खेत को एक बार खाली अवश्य छोड़ना चाहिए।

दूर-दूर पंक्तियों में बोई जाने वाली फसल के बाद घनी बोई जाने वाली फसल- वर्षा के दिनों में सघन एवं भूमि को आच्छादित करने वाली फसल लगाने से मिट्टी क्षरण कम होता है जबकि दूर-दूर पंक्तियों में बोई गई फसल से मिट्टी का कटाव अधिक होता है। अतः ऐसी फसलों का हेरफेर होना चाहिए जिससे मिट्टी कटाव एवं उर्वरता ह्रास को रोका जा सके।

दो तीन वर्ष के फसल चक्र में एक बार खरीफ में हरी खाद वाली फसल- हरी खाद के द्वारा भूमि में 40-50 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टर स्थिर होती है। इसके लिए सनई, ढ़ेंचा आदि फसलों का उपयोग किया जा सकता है।

फसल चक्र में साग-सब्जी वाली फसल का समावेश होना चाहिए- किसान की घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सफल चक्र में साग-सब्जी वाली फसल का समावेश होना चाहिए।

फसल चक्र में तिलहनी फसल का समावेश होना चाहिए- घर की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ऐसा फसल चक्र तैयार करना चाहिए जिसमें एक फसल तेल वाली हो।

एक ही प्रकार की कीट व बीमारियों से प्रभावित होने वाली फसलों को लगातार एक ही खेत में नहीं बोना चाहिए- एक ही फसल तथा उसी समुदाय की फसलों को एक ही क्षेत्र या एक ही स्थान पर लगातार बोते रहने से कीटों व बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है।

फसल चक्र ऐसा होना चाहिए कि वर्ष भर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग होता रहे- फसल चक्र निर्धारण के समय यह ध्यान रखना चाहिए कि किसान के पास उपलब्ध संसाधनों जैसे भूमि, श्रम, पूंजी, सिंचाई इत्यादि का वर्ष भर सदुपयोग होता रहे एवं किसान की आवश्यकताओं की पूर्ति फसल चक्र में समावेशित फसलों के द्वारा होती रहे।

### फसल चक्र को प्रभावित करने वाले कारक

**भूमि संबंधी कारकः** भूमि संबंधी कारकों में भूमि की किस्म, मिट्टी प्रतिक्रिया, जल निकास, मिट्टी की भौतिक दशा आदि आते हैं। ये सभी कारक फसल की उपज पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

सिंचाई के साधन- सिंचाई जल की उपलब्धता के अनुसार फसल चक्र अपनाना चाहिए।

**किसान की आर्थिक दशाः** किसानों की आर्थिक स्थिति का भी फसल चक्र पर प्रभाव पड़ता है। किसान के पास पूंजी एवं संसाधनों की स्थिति को देखते हुए फसल चक्र में ऐसी फसलों का समावेश किया जाना चाहिए जो किसान को अधिकतम लाभ दें।

**बाजार की मांगः** बाजार की मांग के अनुरूप फसलें ली जानी चाहिए जैसे शहर के नजदीक वाली भूमियों में साग-सब्जी वाली फसलों को प्राथमिकता देना चाहिए।

**आवागमन के साधनः** आवागमन के समुचित साधन उपलब्ध होने से फसल चक्र में सुविधा के अनुसार फसलों का समावेश करना चाहिए।

**श्रमिकों की उपलब्धताः** कृषि में श्रमिकों का मुख्य कार्य होता है। यदि श्रमिक आसानी से व पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं तो सघन फसल चक्र अपनाया जा सकता है तथा फसल चक्र में नगदी फसलों को समावेशित कर लाभ लिया जा सकता है।

**खेती का प्रकारः** यदि पशु पालन खेती का मुख्य अवयव है तो ऐसी जगह चारे वाली फसलें की जाये।

**किसान की घरेलू आवश्यकताएंः** किसान को अपनी घरेलू आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर फसल चक्र अपनाना चाहिए।

# दलहन की पुख्ता सुरक्षा

फसलों से कम पैदावार मिलने के अनेकों कारण हैं जिनमें फसल की खड़ी अवस्था पर आक्रमण करने वाले हानिकारक कीटों की भूमिका मुख्य है। अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि इन कीड़ों से फसल की सुरक्षा का उचित प्रबंध किया जाये।

**चने की फली भेधकः** पहचान- यह दलहनी फसलों का अत्यंत हानिकारक कीट है जो कि देश के सभी भागों में पाया जाता है तथा वर्षभर सक्रिय रहता है। यह एक बहुभक्षी कीट है। प्रौढ़ शलभ मजबूत एवं हलके भूरे रंग का होता है अगले जोड़ी पंखों पर बिन्दु होते हैं जो कि धारीदार रेखाएं बनाते हैं तथा ऊपर की तरफ काले रंग के धब्बे पाये जाते हैं। पिछले जोड़ी पंख सफेद हल्के रंग के होते हैं। इस कीट की सुंडी के शरीर पर धारियां होती हैं। ये सुंडियां जिस फसल को खाती हैं उसी तरह का रंग ग्रहण कर लेती है।

### प्रबंधन

- चने की फसल कटते ही ग्रीष्मकालीन जुताई कर दें ताकि उसमें मौजूद प्यूपा आदि तेज धूप में मर जाये। सुंडियों का पकड़ कर नष्ट करें।
- फसल के आस-पास प्रकाश प्रपंच एवं फेरोमेन प्रपंच लगाकर प्रौढ़ अवस्था को पकड़ कर नष्ट किया जा सकता है। इन प्रपंचों की संख्या एक हेक्टेयर में 20 हो।
- प्रथम, द्वितीय व तृतीय अवस्था की सुंडियों को नियंत्रित करने के लिए न्यूक्लीयर पाली हायड्रोसिस वायरस (एनपीव्ही) का 350 एलई प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- कार्बोरिल 10 प्रतिशत अथवा मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूल का 20-25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से फसल पर भुरकाव करें।
- क्विनालफस/ मिथोमिल की 500 मिली/ एकड़ 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिनों के अंतर में दो छिड़काव करें।

**कटुआ सुंडी-** पहचान- यह चने की सुंडियां नई-नई पत्तियों को खाती है। यह अपना रंग पत्तियों जैसे बना लेती हैं। इस कीट का व्यस्क धूसर रंग का होता है जो कि अधिक उड़ने वाला होता है। इसको चने का कटुआ भी कहते हैं। यह कीट एक विचित्र प्रकार का कीट है। इसका पतंगा बहुत अधिक तेज उड़ने वाला कहा जाता है।

### प्रबंधन

- जब खेत खाली हो उस समय खेत की गहरी जुताई करें ताकि जमीन में मौजूद प्यूपा आदि बाहर आकर नष्ट हो जाये।
- छोटे खेतों में/ प्रारंभिक अवस्था में सुंडी का प्रकोप होने पर हाथ से पकड़कर नष्ट करें।
- खेतों में प्रकाश प्रपंच लगाकर वयस्क पतंगों को आकर्षित करके नष्ट किया जा सकता है।
- मैलाथियान 5 प्रतिशत अथवा कार्बोरिल 10 प्रतिशत धूल का 20-25 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

### अरहर का प्ररोह मोड कीट

पहचान- इस कीट का पतंगा छोटा, गहरे भूरे रंग का होता है तथा इसकी सुंडी छोटी, हल्के पीले रंग की होती है। सर्वप्रथम सुंडियां पत्तियों की बाह्य त्वचा को खुरचकर खाती है तथा बाद में पत्तियों को मोड़कर अंदर रहकर खाना प्रारंभ कर देती है। सुंडियों मध्यम आकार की चिकनी एवं सफेद पीले रंग की होती है। यह कीट मार्च तथा अप्रैल में खेत में आ जाता है तथा अगस्त माह में अत्यधिक संख्या में पाया जाता है।

### प्रबंधन

- मुड़ी हुई पत्तियों को हाथ से तोड़कर नष्ट कर दें।
- फसल पर मिलाथियान 20 ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

### अरहर की फल मक्खी

पहचान- प्रौढ़ मक्खी धात्विक हरे रंग की होती है। इसका आकार छोटी, आंखें त्रिभुजाकार, बड़ी तथा हरे रंग की होती है। मादा में जनन शंकु लम्बी होती है। इस कीट के सक्रिय रहने का समय मार्च-अप्रैल होता है।

### प्रबंधन-

- प्रारंभिक अवस्था में इस कीट से ग्रसित फलियों को तोड़कर नष्ट कर दें।
- परजीवी मित्र कीट यूडेरस ऐग्रोयाइजी व इलोफिड को संरक्षित करें।
- डायमिथियेट या मिथाइल डिमेटान की 400 मिली/ एकड़ के हिसाब से 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिनों के अंतर में दो छिड़काव करें।

# खिल उठेगा गेंदा

### पावडरी मिलड्यू

इस बीमारी के कारण पत्तियों, शाखाओं एवं पुष्प कलियों पर सफेद फफूंदी का जमाव होता है। जो बाद में भूरे रंग का हो जाता है। जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है। और अन्ततः पौधा सूख जाता है। इस बीमारी का प्रकोप फरवरी माह से प्रारंभ होता है।

### उपचार

रोग की रोकथाम हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

### विषाणु रोग (वायरस)

इस बीमारी के प्रकोप से पत्तियों पर हरे रंग का चितकबरा पड़ जाता है। जिससे पत्तियां मुड़ जाती हैं तथा पुष्प बहुत कम या छोटे आकार के लगते हैं। आमतौर पर इसका प्रसारण संपर्क, हाथो, फसल के अवशेषों , कृषि के यंत्रों तथा कीट द्वारा होता है।

### उपचार

रोगोर 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 800 से 1000 लीटर पानी का घोल बनाकर प्रति हेक्टर खड़ी फसल में छिड़काव करें।

### गेंदा फसल में निम्नलिखित प्रमुख कीट लगने की संभावना होती है

**माइट (मकड़ी)-** गेंदा फसल पर पत्तियों की निचली सतह पर लाल रंग की मकड़ी जाला बनाकर रहते हैं। जो पत्तियों तथा पुष्प कलिकाओं/फूलों से रस चूसते रहते हैं। जिससे पत्तियां पीली पड़कर सूख जाती हैं। तथा पुष्प कलिका खिल नहीं पाती पत्तियों पर बना हुआ जाला पौधे की बढ़वार में बाधक होता है।

**उपचार-** इसकी रोकथाम हेतु रोगोर 0.3 प्रतिशत या मेलाथियान 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव पत्तियों के दोनों तरफ करें।

**बडबोरर (कलिका वेधक)-** इस कीट की इल्लियां पुष्प कलिकाओं में छिद्र करके घुस जाती हैं व अन्दर ही अंदर पुष्प की पंखुड़ियों को खा जाती है। जिससे पुष्प खिल नहीं पाते हैं। एवं पुष्पों का बाजार भाव कम हो जाता है।

**उपचार-** ग्रसित कलिकाओं / पुष्पों को एकत्र करके नष्ट कर दें। इल्लियों को हाथ से पकड़कर नष्ट किया जा सकता है। फसल समाप्त होने पर खेत की गहरी जुताई करके प्यूपा को नष्ट कर दें। फसल पर प्रकोप दिखाई देते ही क्विनालफास 0.7 प्रतिशत का छिड़काव आवश्यकतानुसार करें।

हापर (फुदका)- इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों की मुलायम का रस चूसते हैं। फलस्वरुप पत्तियां सिकुड़ जाती है। जो बाद में पीली पड़कर गिर जाती हैं।

**उपचार-** कीट के नियंत्रण हेतु प्रकाश प्रपंच खेतों में लगायें चाहिए। फसल में कीट का प्रकोप दिखाई देने पर रोगोर/ डेमोक्रान 0.5 प्रतिशत का घोल का छिड़काव 10-15 दिन के अंतर में 2-3 बार करें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## प्रधानमंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान का किया आगाज

**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस 2024 से पहले खास अभियान की शुरुआत की है। भारत अपने 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने की तैयारी में है, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को देश के नागरिकों से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर हर घर तिरंगा अभियान को एक जन आंदोलन बनाने का आग्रह किया। इस अपील के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स प्रोफाइल की डिस्प्ले पिक्चर को भी बदल दिया है। सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदलकर तिरंगा लगाया है। उन्होंने जनता से भी प्रोफाइल पिक्चर पर तिरंगा लगाने की अपील की है। इसके अलावा उन्होंने एक लिंक भी साझा किया है। इसके जरिए लोगों से हर घर तिरंगा अभियान के जरिए जुड़ने की अपील की है। जनता से राष्ट्रीय ध्वज के साथ अपनी सेल्फी को साझा करने का अनुरोध किया है। जनता https://harghartiranga.com पर अपनी सेल्फी को अपलोड कर सकता है।

## दिल्ली आबकारी नीति मामले में सिसोदिया को मिली जमानत

**नईदिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दिल्ली आबकारी पुलिस मामले से संबंधित मामलों में जमानत दे दी। अदालत ने अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांचे गए मामलों में सिसोदिया को नियमित जमानत दे दी। सिसोदिया 17 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे। न्यायमूर्ति बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने सिसोदिया को दो जमानतदारों के साथ 10 लाख रुपये का जमानत बांड भरने, अपना पासपोर्ट जमा करने और जांच अधिकारी के समक्ष सप्ताह में दो बार सोमवार और गुरुवार को पेश होने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों से छेड़छाड़ करने का कोई प्रयास नहीं करेंगे। शीर्ष अदालत ने 6 अगस्त को मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

## निर्दोष साबित नहीं हुए हैं सिसोदिया : भाजपा

**नईदिल्ली।** आप नेता मनीष सिसोदिया को जमानत दिए जाने पर भाजपा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस साल ही उनकी जमानत याचिका सात बार खारिज हो चुकी है। आज उनके वकीलों ने मेरिट के आधार पर दलील नहीं दी, उनकी दलीलें देरी पर आधारित थीं। उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया 17-18 महीने जेल में रहे और उसी आधार पर - ट्रायल में देरी के आधार पर, उन्हें जमानत दे दी गई। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि सिसोदिया अभी भी आरोपी हैं, और दिल्ली के लोगों के साथ विश्वासघात करने के लिए उनकी जवाबदेही कानून की अदालत में है। अपना हमला तेज करते हुए बांसुरी स्वराज ने कहा कि मनीष सिसोदिया दिल्ली के ऐसे शिक्षा मंत्री हैं जो पापी हैं और जिन्होंने दिल्ली के बच्चों को पाठशाला से मधुशाला में धकेलने का पाप किया है। उन्होंने आगे कहा कि 26 फरवरी 2023 को मनीष सिसोदिया को गिरफ़्तार किया गया।

## भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के चुनाव के लिए घोषणापत्र समिति बनाई

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द ही कराये जाने के बढ़ते आसार के बीच तमाम राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारियों में जुट गये हैं। इस क्रम में भाजपा ने विधानसभा चुनावों के लिए घोषणापत्र तैयार करने के लिए एक समिति का गठन कर दिया है। जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव सुनील शर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन में इस बारे में कहा कि एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा जम्मू-कश्मीर में अगले विधानसभा चुनावों के लिए तैयार है, जिसके लिए तैयारी काफी पहले से शुरू कर दी गई है। सुनील शर्मा ने कहा, चुनाव कराना भारत के चुनाव आयोग का विशेषाधिकार है और एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा किसी भी समय चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। भाजपा नेता ने कहा कि हम लोगों की आकांक्षाओं के आधार पर एक जन-समर्थक चुनाव घोषणापत्र बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक बीजेपी के पास ग्राउंड रिपोर्ट तैयार होगी और वह इसे दिल्ली मुख्यालय को भेज देगी।

## बिहार को विशेष दर्जा की मांग को लेकर राजद का प्रदर्शन

**नईदिल्ली।** शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसदों ने बिहार को विशेष दर्जा देने की मांग को लेकर संसद के बाहर प्रदर्शन किया। आरजेडी सांसद मीसा भारती ने राज्य के लिए विशेष पैकेज के अपने वादे को पूरा न करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफ़ी मांगने की मांग की और मौजूदा सहायता को अपर्याप्त बताया। भारती ने इस बात पर जोर दिया कि बिहार के साथ धोखा हुआ है। उन्होंने कहा कि एक समय तो नीतीश कुमार भी यही मांग कर रहे थे। आज बिहार में डबल इंजन वाली सरकार है। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने राज्य के लिए विशेष पैकेज का वादा किया था। लेकिन अब लगता है कि वे भूल गए हैं। बिहार को दी गई सहायता बहुत कम है। प्रधानमंत्री को बिहार के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। यह विरोध प्रदर्शन केंद्र सरकार द्वारा राज्य के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा देने के जेडी (यू) के अनुरोध को खारिज करने के बाद हुआ।

# वक्फ बिल पर जेपीसी का हुआ गठन

### लोकसभा में रिजिजू ने बताए 21 नाम

**नईदिल्ली।** लोकसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 में जेपीसी के लिए 21 लोकसभा सांसदों के नाम प्रस्तावित किए। साथ ही उन्होंने राज्यसभा से जेपीसी में नियुक्त किए जाने वाले 10 सदस्यों के नामों की सिफारिश करने को कहा। सदन द्वारा प्रस्ताव पारित कर दिया गया है। लोकसभा के जिन 21 सांसदों को जेपीसी में जगह दी गई है उनमें भाजपा से जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जयसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय और डीके अरुणा को शामिल किया गया है।

इनके अलावा कांग्रेस से गौरव गोगाई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद को इस समिति का हिस्सा बनाया गया है। समाजवादी पार्टी के सदस्य मौलाना मोहिबुल्ला नदवी, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी, द्रमुक के ए. राजा, तेलुगू देसम पार्टी (तेदेपा) के लावू श्रीकृष्णा, जनता दल (यूनाइेड) के दिलेश्वर कामत, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के सुरेश गोपीनाथ महत्रे, शिवसेना के नरेश गणपत म्हास्के, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अरुण भारती और एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवैसी भी इस समिति में शामिल हैं। लोकसभा ने राज्यसभा से अनुशंसा की है कि वह इस संयुक्त समिति के लिए 10 सदस्य का चयन कर निचले सदन को सूचित करे। सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक बृहस्पतिवार को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद संयुक्त समिति के पास भेजने का फैसला हुआ था। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा था, ''मैं सभी दलों के नेताओं से बात करके इस संयुक्त संसदीय समिति का गठन करुंगा।''

## जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध : राजीव कुमार

**जम्मू।** मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी दल विधानसभा चुनाव कराने का पुरजोर समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं और किसी को भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में सभी राजनीतिक दल जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने का पुरजोर समर्थन कर रहे हैं। कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव के लिए प्रशासनिक व सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के सिलसिले में तीन दिन की जम्मू-कश्मीर यात्रा पर है। प्रतिनिधिमंडल में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस.एस संधू भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को यात्रा के दूसरे दिन प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लो और केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस प्रमुख आर.आर. स्वैन से मुलाकात की। जम्मू-कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं।

### राहुल गांधी से अनुराग ठाकुर का सवाल

## आप गाजा की बात करते हैं, बांग्लादेशी हिंदुओं पर क्यों नहीं निकलती आवाज?

**नई दिल्ली।** भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के मुद्दे को उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को गाजा की चिंता तो है, मगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बोलने में इनके होंठ सिल जाते हैं। आख़िर ऐसी क्या मजबूरी है? उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि दुर्भाग्य से, विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) और कांग्रेस पार्टी ने अंतरिम बांग्लादेशी सरकार को बधाई देने वाले अपने ट्वीट में, बांग्लादेश में हिंदू या अल्पसंख्यकों के संरक्षण का मुद्दा नहीं उठाया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बांग्लादेश में नवगठित अंतरिम सरकार को दिए गए बधाई संदेशों में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का उल्लेख न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। ठाकुर ने सवाल किया, हिंदू अल्पसंख्यकों के मुद्दे को संबोधित करने में उनकी अनिच्छा क्या है? उन्होंने कहा कि वे गाजा में हिंसा पर बोलते हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों पर चुप रहते हैं। ठाकुर ने कहा कि इसके बावजूद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को दिए गए अपने बधाई संदेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कार्यभार संभाला, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी, लेकिन साथ ही उन्होंने उनसे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कहा। यह आलोचना बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों, घरों और व्यवसायों में व्यापक तोड़फोड़ के बीच हुई है, जब सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया और भारत भाग गईं। विवादास्पद नौकरी कोटा प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के जवाब में हसीना ने पद छोड़ दिया। गुरुवार को नोबेल पुरस्कार विजेता 84 वर्षीय यूनुस ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली।

## राज्यसभा में जगदीप धनखड़ और जया बच्चन के बीच नोकझोंक, विपक्ष का वॉकआउट

**नईदिल्ली।** कांग्रेस की दिग्गज नेता सोनिया गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने शुक्रवार दोपहर को एक बार फिर राज्यसभा से समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन के समर्थन में वॉकआउट किया और उच्च सदन में %जया अमिताभ बच्चन% विवाद की पुनरावृत्ति का विरोध किया। समाजवादी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है और इसने उत्तर प्रदेश में भाजपा को 80 सीटों में से सिर्फ 33 (62 से कम) पर सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शुक्रवार को उच्च सदन में भारी हंगामे के बीच उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन से तीखी नोकझोंक हुई। हं

हंगामे के दौरान धनखड़ ने विपक्षी सांसदों पर संविधान और लोकतंत्र के प्रति अनादर दिखाने का आरोप लगाया। इसके बाद उन्होंने जया अमिताभ बच्चन को सदन को संबोधित करने के लिए बुलाया। संसद में धनखड़ के लहजे पर बच्चन ने सवाल उठाए, जिस पर राज्यसभा के सभापति ने उन्हें फटकार लगाई। बच्चन ने अपनी असहमति जताते हुए कहा कि मैं जया अमिताभ बच्चन कहना चाहती हूं कि मैं एक कलाकार हूं, मैं शरीर की भाषा, हाव-भाव समझती हूं। मुझे यह कहते हुए खेद है कि आपका लहजा स्वीकार्य नहीं है। हम सहकर्मी हैं, आप भले ही कुर्सी पर बैठे हों।

धनखड़ ने बच्चन को बीच में टोकते हुए उनसे अपनी सीट पर बैठने का आग्रह किया। धनखड़ ने कहा कि जया जी अपनी सीट पर बैठिए। आपने बहुत नाम कमाया है। एक अभिनेता निर्देशक का विषय होता है। आप वह नहीं देख पा रही हैं जो मैं यहां से देख रहा हूं। मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो अपने रास्ते से भटक गया हूं। बस इतना ही। आप भले ही एक सेलिब्रिटी हों, लेकिन आपको शिष्टाचार का ध्यान रखना चाहिए। यह घटना सोमवार को इसी तरह की बातचीत के बाद हुई है, जब बच्चन ने धनखड़ द्वारा उन्हें उनके पूरे नाम जया अमिताभ बच्चन से संबोधित करने पर आपत्ति जताई थी और इसे संसद में नया नाटक बताया था। अपने पति की उपलब्धियों पर गर्व जताते हुए, बच्चन ने महिलाओं की पहचान को उनके पतियों के नाम से जोड़े जाने पर अपनी असहजता व्यक्त की।

वहीं, मीडिया से बात करते हुए जया बच्चन ने कहा कि अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल किए गए लहजे पर आपत्ति जताई। हम स्कूली बच्चे नहीं हैं। हममें से कुछ वरिष्ठ नागरिक हैं। मैं लहजे से परेशान था और खासकर जब विपक्ष के नेता बोलने के लिए खड़े हुए, तो उन्होंने माइक बंद कर दिया। आप ऐसा कैसे कर सकते हैं? आपको विपक्ष के नेता को बोलने देना होगा। मेरा मतलब है कि हर बार असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल करना जो मैं आप सभी के सामने नहीं कहना चाहती। आप एक उपद्रवी हैं, %बुद्धिहीन%। उन्होंने कहा कि आप एक सेलिब्रिटी हो सकते हैं, मुझे परवाह नहीं है। जया ने आगे कहा कि मैं उनसे परवाह करने के लिए नहीं कह रही हूं। मैं कह रही हूं कि मैं संसद की सदस्य हूं।

खेल
प्रमुख समाचार

## संन्यास के बाद पदक विजेता श्रीजेश को मिली नई जिम्मेदारी

**पेरिस।** भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि, अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे।

भारत ने गुरुवार को स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। श्रीजेश लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया और विरोधी टीम के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में भी श्रीजेश ने अंतिम क्वार्टर में शानदार बचाव किए थे और उन्हें बढ़त लेने से रोका था। इस तरह टीम ने श्रीजेश को जीत के साथ विदाई दी।

शुक्रवार को श्रीजेश के संन्यास के बाद फैंस लगातार उनसे वापसी की मांग कर रहे थे। इसको लेकर उन्होंने कहा, यह विदा लेने का सही समय है। मुझे लगता है कि ओलंपिक खेलों से विदा लेने का यह सही तरीका है, एक पदक के साथ। हम खाली हाथ घर नहीं जा रहे जो बड़ी बात है। मैं लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं लेकिन कुछ फैसले कठिन होते हैं। सही समय पर फैसला लेने से हालात खूबसूरत हो जाते हैं। इसलिए मेरा फैसला नहीं बदलेगा। टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है और इस मैच को इतना यादगार बना दिया। टोक्यो में मिले पदक की मेरे दिल में खास जगह है। इससे हमें आत्मविश्वास मिला कि हम ओलंपिक में पदक जीत सकते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 820 अंक उछला निफ्टी 24,300 के पार

**नईदिल्ली।** ग्लोबल मार्केट से मिले मजबूत संकेतों के बीच 9 अगस्त को शेयर बाजार फिर से बढ़त बनाकर बंद हुए। हालांकि, इस कारोबारी सप्ताह की शुरुआत भारी गिरावट के साथ हुई थी, जिसकी वजह अमेरिका में बेरोजगारी दरों में आई गिरावट और बैंक ऑफ जापान की तरफ से ब्याज दरों में (जीरो से 0.25 फीसदी) बढ़ोतरी थी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दोनों बेंचमार्क इंडेक्स- सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों हरे निशान में बंद हुए। आज 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 819.69 अंक की छलांग के साथ 79,705.91 अंक पर और 50 शेयरों वाला निफ्टी-50 250.50 अंक चढ़कर 24,367.50 अंक पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार की आज तेजी के साथ शुरुआत भी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 700 अंक के करीब उछलकर 79,984.24 के लेवल पर ओपन हुआ था, जबकि निफ्टी-50 24,300 के पार जाकर 24,385.86 पर ओपन हुआ था।

## सरकार ने बैंकिंग सुधार के लिए पेश किया नया विधेयक

**नईदिल्ली।** सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया, जिसके तहत हर बैंक खाताधारक द्वारा मनोनीत 'नॉमिनी' व्यक्तियों की संख्या एक से बढ़ाकर चार करने का प्रावधान किया गया है। लोकसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने उक्त विधेयक पेश किया। इससे पहले विपक्ष के कुछ सदस्यों ने सदन में यह विधेयक पेश किए जाने का विरोध किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि बहु सहकारी बैंक से जुड़े कानून में पहले भी इस सदन के माध्यम से संशोधन किया जा चुका है और इससे छोटे खाताधारकों को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि हम चार विधेयक भी ला सकते थे लेकिन जब एक समान तरह के कामकाज से जुड़े कानून हैं तो हम एक संशोधन विधेयक ला रहे हैं।

## रुद्र ग्लोबल इंफ्रा सोलर प्लांट के लिए 190 करोड़ निवेश करेगी

**नईदिल्ली।** इस्पात विनिर्माता कंपनी रुद्र ग्लोबल इंफ्रा प्रोडक्ट्स गुजरात में 30 मेगावाट की कैप्टिव सौर परियोजना स्थापित करने के लिए करीब 190 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी बयान के अनुसार, सौर संयंत्र का परिचालन जनवरी 2025 तक शुरू हो जाएगा। इसमें कहा गया, '' परियोजना के पहले चरण में 190 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय होगा, जिसमें से 80 प्रतिशत वित्त पोषण पांच साल की अवधि में वित्तीय संस्थानों के जरिये सुरक्षित किया जाएगा। शेष 20 प्रतिशत कंपनी द्वारा निवेश किया जाएगा।'' कंपनी के प्रबंध निदेशक साहिल गुप्ता ने कहा, '' सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करके, हमारा लक्ष्य अपनी परिचालन लागतों को महत्वपूर्ण रूप से कम करना, अपने पर्यावरणीय विस्तार को बढ़ाना और अपनी अंतिम पंक्ति को मजबूत करना है।'' रुद्र ग्लोबल इंफ्रा प्रोडक्ट्स लिमिटेड का पहले नाम एमडीआईसीएल था।

## आरोहन फाइनेंशियल का नेट प्रॉफिट चार गुना बढ़ी

**नईदिल्ली।** सूक्ष्म ऋणदाता आरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज का चालू वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ चार गुना होकर 104.08 करोड़ रुपये रहा। शुद्ध लाभ व्यवसाय और आय में वृद्धि से प्रेरित रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में मुनाफा 25.40 करोड़ रुपये रहा था। आरोहन फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक बयान में कहा, समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 36 प्रतिशत बढ़कर 469 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 345 करोड़ रुपये थी। बयान में कहा गया, प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 2024-25 की पहली तिमाही में बढ़कर 7,062 करोड़ रुपये हो गईं, जबकि 2023-24 की पहली तिमाही में यह 5,564 करोड़ रुपये थी। 30 जून को समाप्त तिमाही के अंत में शुद्ध एनपीए शून्य रहा।

# देश का दिल जीतने वाली विनेश का संन्यास

**मनोज चतुर्वेदी**

विनेश फोगाट सही मायनों में योद्धा हैं। उनका करियर दिक्कतों से भरा रहा है, पर कोई दिक्कत उनकी हिम्मत को तोड़ने में सफल नहीं हो सकी। फिर चाहे कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष के खिलाफ आवाज उठाना हो, या ओलिंपिक में स्थान बनाने के लिए वजन वर्ग को बदलना। पर पेरिस ओलिंपिक में 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में उतरने से पहले किये गये वजन में 100 ग्राम ज्यादा निकलने से उन्हें अयोग्यता का सामना करना पड़ा। इस घटना ने उन्हें तोड़ दिया और उन्होंने कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी। यह जांबाज पहलवान पेरिस से रजत पदक के साथ लौटे या खाली हाथ, देशवासियों को उन्हें अपने सिर-माथे पर बैठाना है, यह तय है।

विनेश फोगाट के मुकाबले के दूसरे दिन वजन ज्यादा निकलने पर अयोग्य घोषित करने और सेमीफाइनल में उनसे हारीं क्यूबा की गुलजान लोपेजी को फाइनल में स्थान देने के बाद ऐसा लग रहा था कि देश की हीरोइन को खाली हाथ लौटना पड़ेगा। पर विनेश ने सीएएस, यानी कोर्ट ऑफ अबिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में अपील कर उन्हें रजत पदक देने की मांग की है। यह मांग किसी हद तक जायज लगती है। इसकी वजह है कि दो दिन चलने वाले मुकाबले में पहले दिन जब वह तीन कुश्तियां जीत फाइनल में पहुंची थीं, उस दिन उनका वजन सही था, इसलिए पहले दिन उन्होंने जो हासिल किया है, उसे तो उन्हें दिया जाए। जहां तक बात यूनाइटेड कुश्ती फेडरेशन के नियमों की है, तो उसके हिसाब से ज्यादा वजन निकलने वाले पहलवान को अंतिम स्थान पर रखा जायेगा।

अब यह तो सीएएस का निर्णय आने पर ही पता चलेगा कि क्या वह ओलिंपिक में

रजत पदक जीतने वाली देश की पहली महिला पहलवान बनेंगी? विनेश में सिस्टम से लड़ने का जज्बा और दृढ़ विश्वास है। उन्होंने कभी नहीं सोचा कि इसका परिणाम क्या होगा। इस खूबी के चलते ही वह भारतीय कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का अभियान चलाने में सफल हुईं और उन्हें पद से हटवाकर ही दम लिया। हालांकि यह सही है कि कुश्ती पर अभी भी बृजभूषण सिंह के समर्थक ही काबिज हैं। शायद यही वजह है कि विनेश को अपने नियमित वजन वर्ग 53 किग्रा के बजाय 50 किग्रा वर्ग में उतरना पड़ा है।

विनेश को इस समस्या का सामना कोई पहली बार नहीं करना पड़ा है। वर्ष 2016 के रियो ओलिंपिक के पहले क्वालिफायर में 400 ग्राम वजन बढ़ जाने के कारण वह अयोग्य हो गयी थीं। बाद में दूसरे क्वालिफायर में ओलिंपिक कोटा लेकर रियो में भाग लेने गयी थीं। विनेश की घटना के बाद मुकाबले के दोनों दिन वजन लेने के नियम की भी आलोचना हो रही है। पर यह नियम असल में ज्यादा वजन वाले पहलवानों के कम वजन में उतरने से रोकने के लिए लाया गया है। ओलिंपिक कुश्ती में पहले वजन वर्ग के मुकाबले शुरू होने वाले दिन पहलवानों का वजन लेने का नियम था। मुकाबले के दूसरे दिन वजन नहीं लिया जाता था। परंतु अब यूनाइटेड कुश्ती फेडरेशन ने नियम में बदलाव ही इसलिए किया कि रूस जैसे कई देशों के पहलवान वजन कम करके छोटे वजन वाले वर्गों में उतरते थे और फिर वजन कराने के बाद अपना चार-पांच किलो तक वजन बढ़ाकर कुश्ती लड़ते थे। इसे रोकने के लिए यह नियम आया है।

ओलिंपिक पदक जीतना विनेश का सपना रहा है। वह ओलिंपिक के अलावा विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक पा चुकी हैं। केवल ओलिंपिक ही है, जिसमें उनकी पदक से दूरी बनी हुई है। यह दूरी खत्म होगी या नहीं, यह सीएएस के निर्णय पर निर्भर होगा। वह यदि रजत पदक देने की उनकी मांग को मान लेता है, तो इस उपलब्धि को पाने वाली वह पहली भारतीय महिला पहलवान बन जायेंगी। यदि ऐसा नहीं होता है, तो उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ेगा और उनका सपना साकार होने से रह जायेगा, क्योंकि वह संन्यास लेने की घोषणा कर चुकी हैं।

## मुख्यमंत्री का विश्व आदिवासी महोत्सव में शामिल नहीं होना आदिवासी समाज का अपमान

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इंडोर स्टेडियम में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस महोत्सव कार्यक्रम में समय देने के बाद भी शामिल नहीं हुए। ये समस्त आदिवासी समाज का अपमान है, आदिवासी समाज विष्णु देव साय के मुख्यमंत्री बनने पर गर्व महसूस कर रहे थे। लेकिन साय ने समाज की उपेक्षा की है। भाजपा की सरकार बनने 8 महीने में आदिवासी वर्ग के ऊपर अत्याचार, शोषण, उनके जल, जंगल, जमीन पर कब्जा करने का षड्यंत्र और निर्दोष आदिवासियों को नक्सली बताकर मुठभेड़ में मारा गया है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद मुख्यमंत्री साय आदिवासी समाज से नजर मिलाने से डर रहे हैं। कांग्रेस ने हमेशा कहा है कि भाजपा सरकार में आदिवासी वर्ग की उपेक्षा होती है और आज वह दिख भी गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखा। आज विश्व आदिवासी दिवस की प्रदेश के आदिवासी भाईयों को आदिवासी दिवस की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आदिवासी दिवस के दिन आदिवासी से जुड़े मुद्दे को लेकर आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी को पत्र लिख रहा हूं। इस 8 महीने की सरकार में, आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में सबसे ज्यादा आदिवासी प्रताड़ित हुई है। आपको विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनायें। जब आप छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बने थे पूरे आदिवासी समाज को प्रसन्नता हुई थी कि आदिवासी समाज से प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया है। 8 महीने की आपकी सरकार में आदिवासियों के ऊपर हो रहे अत्याचार, उपेक्षा से आज पूरा समाज आहत है। बस्तर में एक बार फिर से आदिवासी वर्ग नक्सलवादी तथा सुरक्षाबलो के दो पाटों के बीच पीस रहा है। पिछले पांच वर्षों में फर्जी मुठभेड़ में आदिवासियों की हत्यायें रूक गयी थी, आपके सराकर में लगातार फिर से बस्तर के आदिवासियों के ऊपर फर्जी मुठभेड़, फर्जी सरेंडर, फर्जी नक्सलियों के नाम से जेल भेजने का काम और निर्दोष आदिवासियों के ऊपर लगातार अत्याचार कर रही है।

# प्रदेश की सरकार आदिवासी अधिकार, उनके विकास और संस्कृति की रक्षा एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्धः शर्मा

**रायपुर।** उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा कबीरधाम जिले के आदिवासी एवं बैगा बहुल बोड़ला विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम तरेगाव जंगल के एकलव्य आर्दश आवसीय विद्यालय परिसर और ग्राम रेंगाखर में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी, वीर शहीद गुंडाधुर, शहीद वीर नारायण सिंह और धरती आबा बिरसा मुंडा के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्जवलित कर किया गया। ग्राम तरेगांव जंगल में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा का आदिवासी परंपरा की विशेष पहचान फेटा (पगड़ी), कलगी, छिट और तिलक लगाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक धरोहर और उनके योगदान को सराहा। उन्होंने

आदिवासी अधिकारों और उनके विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और आदिवासी संस्कृति की रक्षा और संवर्धन के लिए जोर दिया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज हम सब इस समाज के लोग विश्व आदिवासी दिवस पर एक साथ उपस्थित हुए है यह हमारे आदिवासी समाज के एकता का प्रतीक है। इसी तरह हम 15 नवंबर को धरती आबा बिरसा मुंडा के जयंती पर एक साथ मिलकर स्मरण करेंगे। उन्होंने इस क्षेत्र में समाज के प्रमुखों की प्रशंसा करते हुए बताया कि अपने समाज को एक जुट रख कर अपने समाज, अपनी परंपरा को बचाएं रखने का प्रयास करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश में संचालित सभी आश्रम छात्रावास में जनभागीदारी समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति में आश्रम छात्रावास में पढ़ने वाले बच्चों के पालक, जनप्रतिनिधि और बच्चों के माताएं शामिल होंगे। समिति के लिए सदस्यों का चयन प्रारंभ हो गया है। जनभागीदारी समिति आश्रम छात्रावास के व्यवस्थाओं देख रेख करेंगे। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि बच्चों को सभी सुविधाएं उपलब्ध हो। इसके लिए समाज को एक होकर कार्य करना है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि विशेष पिछड़ी बैगा जन जातियों के युवक और युवतियों के लिए एएनएम, बीएससी नर्सिंग का कोर्स कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैगा समाज के प्रमुख व्यक्ति अपने आसपास युवक और युवतियों को प्रेरित करें और बताए की जो युवक, युवतिया एएनएम, बीएससी नर्सिंग का कोर्स करना चाहते है उसकी पूरी व्यवस्था कराई जाएगी। इस दौरान ग्राम वासियों ने उप मुख्यमंत्री को विभिन्न मांगों, शिकायत के संबंध में आवेदन किया। उप मुख्यमंत्री ने सभी आवेदनों का अवलोकन कर पूरा करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में श्री संतोष पटेल, श्री विदेशी राम धुर्वे, श्री बरसती वर्मा, श्री राम किनकर वर्मा, श्री बलदाऊ चंद्रवंशी, श्री झुम्मन चंद्रवंशी, श्री नरेश चंद्रवंशी, श्री संतराम, श्री सुंदर लाल बैगा, एसडीएम बोड़ला श्रीमती गीता रायस्त सहित जनप्रतिनिधि और समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे। मंच का संचालन श्री लालमनी सोनवानी ने किया।

## एसईसीएल ओपन कास्ट माइन से हो रहे हादसों पर बृजमोहन ने जताई चिंता

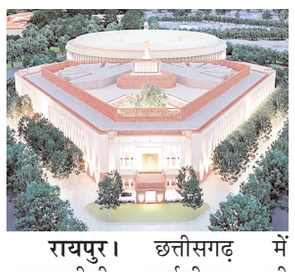

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में एनएमडीसी एसईसीएल की लापरवाही के कारण होने जनता को होने वाली परेशानियों को देखते सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को लोकसभा में शून्यकाल में लोक महत्व का मुद्दा उठाया। बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि, छत्तीसगढ़ की एसईसीएल ओपन कास्ट कोयला परियोजनाओं, खादानों में कोयले के खनन करने के बाद नियमानुसार उसे वापिस भरकर पुरानी स्थिति में लाना एवं उसके ऊपर वृक्षारोपण करने की बाध्यता है। लेकिन एसईसीएल ने 50 से अधिक खदानों से कोयला तो निकाल लिया। रिक्लेमिनेषन के नाम पर अरबों रूपये खर्च भी किए जा चुके है। लेकिन उन्हें पुरानी स्थिति में नहीं लाया गया, न ही उनके ऊपर वृक्ष लगाए गए। जिसके कारण खदानों में पानी भरने एवं खुले रहने के कारण वहां लगातार दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

जिसमे बड़ी संख्या में ग्रामीणों और पशुओं की मौत भी हो रही है। साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। जिस कारण क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी, गुस्सा एवं भय का वातावरण बना हुआ है।

सांसद अग्रवाल ने कोयला मंत्रालय से दोषी अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कारवाई और खुली खदानों के जल्द पुनर्वास की मांग की है।

## धान खरीदी में सूखत पर कार्रवाई का मामला

## 46 समिति प्रभारियों ने लगाई याचिका

### हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब, तीन हफ्ते की दी मोहलत

**बिलासपुर.** धान खरीदी केंद्रों में सूखत को लेकर राज्य शासन द्वारा समितियों पर कार्रवाई की जाती है. इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई है. कोर्ट ने राज्य शासन को तीन सप्ताह की मोहलत दी है. तब तक सूखत के नाम पर समितियों पर किसी तरह की कार्रवाई पर रोक रहेगी. दरअसल, प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बाद समितियों से तय समय पर धान संग्रहण केंद्र ना पहुंचने पर सूखत के बाद राज्य शासन समितियों पर कार्रवाई करती है. इसे लेकर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के 46 समिति प्रभारियों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई है, जिसमें कहा गया है कि मार्कफेड द्वारा तय समय पर धान का उठाव व ट्रांसपोर्टिंग नहीं कराया जाता. इसके चलते धान में सूखत की वजह से वजन घट जाता है. इसकी रिकवरी समितियों से की जाती है. मार्कफेड अफसरों की लापरवाही का खामियाजा समिति क्यों भुगते. जस्टिस एनके चंद्रवंशी की कोर्ट में सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हुई. कोर्ट ने राज्य शासन व मार्कफेड के अफसरों से पूछा कि सूखत का क्या मापदंड है. इसे लेकर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में अलग-अलग क्या नियम बनाए गए हैं. इस पर मामले की सुनवाई के दौरान मार्कफेड के एमडी ने शपथ पत्र के साथ कोर्ट को जानकारी दी कि इस तरह का कोई मापदंड तय नहीं किया गया है. मामले में हुई पूर्व की सुनवाई में हाईकोर्ट ने राज्य शासन को नोटिस जारी कर याचिकाकर्ता समितियों को सूखत के संबंध में अभ्यावेदन पेश करने और इस पर 30 दिनों के भीतर निराकरण करने का निर्देश दिया था.

## प्रदेश में 17 हजार पीड़ित महिलाएं वन स्टॉप सेंटर से लाभान्वित

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल लोकहित के मुद्दों को पूरी गंभीरता के साथ लोकसभा में उठा रहे है। सांसद अग्रवाल ने शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास मंत्री से छत्तीसगढ़ में हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एक ही छत के नीचे एकीकृत सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर योजना की जानकारी मांगी। जिसपर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि, छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में से प्रत्येक में एक और रायपुर में एक अतिरिक्त कुल 34 ओएससी स्वीकृत हैं जिसमे से वर्तमान में 27 ओएससी कार्यशील हैं। उन्होंने यह भी बताया कि, पिछले तीन सालों में करीब 17 हजार महिलों को सहायता प्रदान की गई है। वन स्टॉप सेंटर योजना का सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ पूरे देश में 1 अप्रैल, 2015 से क्रियान्वयन किया जा रहा है। देश भर में वर्तमान में 816 में से 786 वन स्टॉप सेंटर कार्यशील हैं। ओएससी का उद्देश्य हिंसा से प्रभावित संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत सहायता प्रदान करना है।

## बृजमोहन ने उठाया छग में न्यायालय ई-सेवा केंद्रों का मुद्दा

छत्तीसगढ़ के सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अधिक सुलभ और पारदर्शी न्यायिक सेवा दिलाने के लिए रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को लोकसभा में न्यायालय ई सेवा केंद्र का मुद्दा उठाया। सांसद अग्रवाल ने विधि और न्याय मंत्री से छत्तीसगढ़ समेत देशभर में कार्यशील ई सेवा केंद्र और वहां उपलब्ध सेवाओं की जानकारी मांगी। जिसपर विधि और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि, भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय को पायलट परियोजना के अधीन 2 ई-सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए 10.68 लाख रुपये जारी किए गए थे। हालांकि, ई-न्यायालय मिशन मोड परियोजना के तीसरे चरण के अधीन, अतिरिक्त ई-सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य को 4.44 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में जिला न्यायालयों में 23 और उच्च न्यायालय में 1 ई-सेवा केंद्र काम कर रहे हैं। देशभर में ई-सेवा केंद्रों की संख्या 1,072 है। ई-न्यायालय मिशन मोड परियोजना के भाग के रूप में, ई-सेवा केंद्रों को वन स्टॉप सेंटर के रूप में स्थापित किया गया है।

**छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार**

## दबाव में छग सरकार ने विश्व आदिवासी दिवस का बहिष्कार किया

**रायपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि आरएसएस के दबाव में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने विश्व आदिवासी दिवस का बहिष्कार कर दिया और इस तरह से भाजपा ने प्रदेश के लाखों आदिवासियों व उनकी संस्कृति का अपमान किया है. उन्होंने कहा है कि इसके लिए प्रदेश के आदिवासी भाजपा को कभी माफ़ नहीं करेंगे. श्री बघेल ने अपने बयान में कहा है कि आरएसएस ने आखिर अपना असली रंग दिखा दिया है और भाजपा सरकार पर दबाव बनाकर विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम रद्द करवा दिए. श्री बघेल ने कहा है कि रायपुर में विश्व आदिवासी दिवस पर दो कार्यक्रम आयोजित थे. एक रायपुर के इंडोर स्टेडियम में था जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शामिल होना था और दूसरा कार्यक्रम महंत घासीदास संग्रहालय की कला वीथिका में आदिवासियों पर आयोजित एक प्रदर्शनी थी, जिसका उद्घाटन भाजपा सरकार के वरिष्ठ आदिवासी मंत्री रामविचार नेताम को करना था. एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री गए नहीं और दूसरा कथित 'अपरिहार्य कारणों से' स्थगित कर दिया गया. उन्होंने कहा है कि आरएसएस के अनुषांगिक संगठन वनवासी कल्याण आश्रम की ओर से एक सार्वजनिक बयान दिया गया है जिसमें कहा गया है.

## सांसद बृजमोहन ने सदन में रद्द ट्रेनों पर सवाल तो उठाये पर हल नहीं निकाल पाये?

**रायपुर।** रायपुर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सदन में तीन वर्षों से रद्द हो रहे ट्रेनों के मसले पर सवाल तो उठाये? लेकिन रद्द ट्रेनों को बहाल नहीं कर पाये? आज भी रेल यात्री ट्रेनों का इंतजार करते रहे लेकिन उन्हें सफर के लिए यात्री ट्रेन नहीं मिली। बल्कि उनके सामने कोयला लदी मालवाहक ट्रेन फर्राटे से गुजरती रही। सांसद के सवाल पर रेल मंत्री ने जवाब दिया है वह हास्यास्पद है आजादी के बाद पहली बार हो रहा है कि यात्री ट्रेनों को विस्तारीकरण के नाम पर रोक दिया गया है और माल वाहक ट्रेनों को मुनाफाखोरी के लिए चलाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने 3 साल से रद्द ट्रेनों का मामला उठाकर मोदी 2.0 के तत्कालीन निष्क्रिय सांसदों को आईना तो दिखाये लेकिन वह यात्री ट्रेनों को शुरू करने के लिए रेलमंत्री को मना नहीं पाये। रेल मंत्री से जब भी रद्द ट्रेनों को शुरू करने की बात कही जाती है तब रेल मंत्री रहते हैं की रेल पथ दोहरी और तिहरीकरण का काम चल रहा है। फिर माल वाहन ट्रेन क्यों चल रही है सवाल पूछने पर मौन हो जाते हैं। बीते 3 वर्षों से रेल के विस्तारित कारण के नाम से यात्री ट्रेनों को रोका गया है पर प्रदेश में कहीं भी विस्तारीकरण का काम नहीं दिखता है।

## अंतरराज्यीय चोर गिरोह गिरफ्तारः ज्वेलरी दुकानों में करते थे चोरी

**बिलासपुर.** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर समेत कई जिलों के ज्वेलरी दुकानों में चोरी करने वाले अंतरराज्यीय बसोर गिरोह के 7 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के अलग-अलग जिलों से इन आरोपियों को पकड़ा गया. ये गिरोह पहले रेकी करते थे फिर वारदात को अंजाम देते थे. बिलासपुर आईजी संजीव शुक्ला ने मामले का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि आरोपियों ने प्रदेश के रायपुर, जांजगीर-चाम्पा, बालोद, बलौदाबाजार, अम्बिकापुर व बिलासपुर जिले के सीपत व चकरभाठा में सोने-चांदी के दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था. पकड़े गए आरोपियों से 33 किग्रा चांदी के जेवर, चांदी की सिल्ली, 125 ग्राम सोने के जेवर, 4 लाख रुपए नगदी, चोरी के लिए उपयोग में लाए एक कार, एक बाइक, 6 नग मोबाइल फोन जब्त किया गया है. आईजी ने बताया, आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले.

## विश्व आदिवासी दिवस पर लाल आतंक को झटका

**बीजापुर।** विश्व आदिवासी दिवस पर लाल आतंक को बड़ा झटका लगा है। यहां पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी के दो माओवादी समेत तीन नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 8-8 लाख के इनामी पीएलजीए कंपनी के सदस्य और दक्षिण बस्तर डिवीजन के सीआरसी पार्टी सदस्य शामिल है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर माओवादियों के विकास विरोधी भेदभाव पूर्ण नीति, उपेक्षा और नक्सलियों की जीवन शैली व विचारधारा से क्षुब्ध होकर आत्मसमर्पण किया है। बीजापुर में पिछले 6 महीनों में अब तक 145 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। वहीं 326 माओवादियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसमें दो लोगों को पच्चीस-पच्चीस हजार देकर पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने प्रोत्साहित किया है।

## कई गड़बड़ियों से घिरे हैं जीएसटी के निलंबित जॉइंट कमिश्नर

**रायपुर.** कई तरह की गड़बड़ियों से घिरे जीएसटी के जॉइंट कमिश्नर दीपक गिरी को आज वित्त, वाणिज्यिक कर (जीएसटी) मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया है. बता दें कि दीपक गिरी के खिलाफ लोक आयोग में प्रकरण दर्ज है. कई तरह की गड़बड़ियों से घिरे दीपक गिरी के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है. वहीं बिलासपुर में कोचिंग व्यावसायी को मानसिक प्रताड़ित करने व रिश्वत मांगने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मंत्री चौधरी ने उसे निलंबत कर दिया है. दीपक गिरी पर जीएसटी विभाग में लंबे समय तक एडिशनल डायरेक्टर रहे विवादित अधिकारी एसएस अग्रवाल के साथ मिलीभगत कर आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का आरोप लगता रहा है. ?बताते हैं कि रायपुर के प्रीमियम रिहायशी कॉलोनी स्वर्णभूमि में करोड़ों का बंगला है. ?कहते हैं कि दो लक्ज़री गाड़ियां उनकी पत्नी के नाम पर खरीदा गया है. बिलासपुर के एक कोचिंग व्यवसायी ने दीपक गिरी के विरूद्ध अभद्र व्यवहार, मानसिक प्रताड़ना व रिश्वत मांगने की शिकायत की थी. इस मामले में मंत्री चौधरी के निर्देश पर राज्य कर विभाग (राज्य जीएसटी) बिलासपुर संभाग क्रमांक-2 के संयुक्त आयुक्त दीपक गिरी को निलंबित किया गया है.

### गृहमंत्री विजय शर्मा ने 25 दिव्यांगजनों को पेट्रोल चलित स्कूटी वितरण किया

## लोगों की सेवा और क्षेत्र विकास हमारी प्राथमिकता - उपमुख्यमंत्री शर्मा

**रायपुर।** प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा प्रवास के दौरान विधायक कार्यालय में जिले के 25 दिव्यांगजनों को पेट्रोल चलित स्कूटी वितरण किया। उन्होंने इस अवसर पर दूर-दराज से आए दिव्यांगजनों से आत्मीयता से मुलाकात की और उनकी समस्याओं से रूबरू भी हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में श्री विष्णु देव साय की सरकार आपके सहयोग और आर्थिक विकास के लिए हमेशा साथ रहेगी। उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा और क्षेत्र का विकास हमारी प्राथमिकता में शामिल है। प्राथमिकता से सभी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा दिव्यांगजनों और आमजनों की सेवा में आत्मीय खुशी मिलती है। शर्मा ने इससे पहले कवर्धा आगमन के दौरान ठाकुरदेव चौक में अपने वाहन रुकवाकर आमजनों से भेंट की और सभी का हालचाल जाना। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा कबीरधाम जिले के एकदिवसीय प्रवास पर है। श्री शर्मा आज जिले के तरेगांव, रेंगाखार और कवर्धा के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में भी शामिल हो रहे हैं।

## मुख्यमंत्री तुषार साहू के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हुए शामिल

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बेमेतरा नयापारा में श्री तुषार साहू के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने तुषार साहू को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि हम सब दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े हैं, इस कठिन समय में हम सब को धैर्य बनाए रखना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तुषार साहू एक होनहार युवा थे। समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से उनकी भागीदारी रहती थी। किसी भी कार्य को वह हमेशा समर्पण और सेवा भाव से करते थे। उनकी कमी हम सब को खलेगी। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने भी श्रद्धांजलि दी और परिवारजनों से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्थानीय नेताओं, गणमान्य नागरिकों और श्री तुषार साहू के करीबी सहयोगियों ने भी दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। गौरतलब है कि श्री तुषार साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव के भांजे थे। विगत 4 अगस्त को उनकी कवर्धा ज़िले के बोडला स्थित रानीदहरा जलप्रपात में नहाने के दौरान डूबने से मृत्यु हो गयी थी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.